तापमान
अधिकतम 33.4 डिग्री
न्यूनतम 16.2 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार, 24 फरवरी 2025

10 सुराना महाविद्यालय में प्रिज्म कॉलेज के साथ प्री-प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

11 सूत समाज सत्य के मार्ग पर चलने वाले समाज के सारथी हैं: विधायक कोर्सेवाड़ा

विभागीय जांच में पुष्टि, शादीशुदा व एक बच्चे की मां-पिता की सरकारी शादी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में गफलत की पुष्टि हुई है। जांच में यह साबित हो गया है कि दुर्ग जिले के भिलाई परियोजना के अंतर्गत बैंकुठधाम कंप दो आंबेडकर भवन में आयोजित इस योजना के विवाह में शादीशुदा जोड़ों को विवाह में शामिल कर लिया गया। आयोजन 22 फरवरी 2024 को हुआ। एक जोड़े तो ऐसे थे जिनकी दो साल की बच्ची भी है। इस पूरे मामले में आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 25 प्रेमनगर कैंप की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मुनेश्वरी सिंह को हटा दिया गया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पर गिरी गाज, हटाया

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में महिला बाल विकास का कारनामा

शादीशुदा व एक बच्चे की मां व पिता के करवा दिए फेरे

केस - 1

केस - 2

ऐसे चल रहा है मिलीभगत का खेल

इस योजना के लाभ को जानें

इन मामले की जांच में खुलासा

शादी शुदा जोड़े

सामूहिक विवाह के एक जोड़ा में ये वर.वधू बन शामिल हुए। वधू रागिनी बंसल का आधार क्रमांक 892227318373 है। वर विजय कुमार बेन आधार क्रमांक 778372016368 है। इन दोनों के बच्चे का जो जन्म प्रमाण पत्र जारी हुआ है उसमें बच्चे का जन्म 24 अगस्त 2022 का है। जन्म प्रमाण पत्र में इन दोनों का आधार नंबर दर्ज है और नाम भी। सामूहिक विवाह इन दोनों का 22 फरवरी 2024 को करवाया गया है। यानी बच्चा दो साल पहले ही जन्म ले चुका है।

दो महीने की गर्भवती

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में एक ऐसा भी जोड़ा शामिल हुआ जो पहले से ही शादीशुदा थी और फेरे लेते समय गर्भवती थी। वधु राखी वंशकार व वर लोकेश वंशकार पहले से ही शादीशुदा थे। इसमें वधु राखी वंशकार इस सामूहिक विवाह से पहले ही विवाहित है और दो महीने की गर्भवती रही। उनके पति लोकेश हैं। उसके बाद भी इन जोड़ों को शामिल किया गया।

दोनों आवेदिकाएं मध्यप्रदेश निवासी

जिला महिला बाल विकास विभाग ने हरिभूमि की 2 फरवरी को प्रकाशित खबर की जांच करवाई। एकीकृत महिला बाल विकास परियोजना भिलाई एक की परियोजना अधिकारी ने जांच के बाद रिपोर्ट सौंपी और आदेश 20 फरवरी को जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रेमनगर की मुनेश्वरी सिंह को नोटिस जारी किया गया। नोटिस के बाद उनका जवाब संतोषप्रद नहीं पाया गया। आवेदिका रागिनी बसंल एवं राखी वंशकार के द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप प्रेषित किया गया। आवेदन पत्र में दोनों आवेदिकाएं छत्तीसगढ़ का मूल निवासी नहीं पाया गया है। ये दोनों मध्यप्रदेश के निवासी हैं। रागिनी बसंल और लोकेश वशंकार की आयु सत्यापन हेतु निर्धारित आवश्यक दस्तावेज आवेदन में संलग्न नहीं पाए गए।

इस योजना का ऐसे लाभ उठाने की कोशिश

. गरीबी रेखा के नीचे जीवन.यापन करने वाले परिवार मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजनान्तर्गत कार्डधारी परिवार की 18 या 18 से अधिक आयु की अधिकतम 2 कन्याओं को योजनान्तर्गत लाभ दिलाया जाना है। योजनान्तर्गत प्रत्येक कन्या के विवाह हेतु अधिकतम 25000 रूपये की राशि व्यय करने का प्रावधान है इसमें वर.वधु हेतु श्रृंगार सामग्री पर राशि 5000 रूपये अन्य उपहार सामग्री पर राशि 14000 रूपये,वधु को बैंक ड्राफ्ट के रूप में राशि 1000 तथा सामूहिक विवाह आयोजन पर प्रति कन्या राशि तक व्यय की जा सकती है।

खबर संक्षेप

ट्रक में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

भिलाई। धान से भरी ट्रक में अचानक आग लग जाने से जलकर खाक हो गया। हादसे में चालक ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई है। उतई पुलिस ने बताय कि रविवार की शाम सीआईएसएफ बटालियन के सामने हाइवे पर धान से भरी चलती ट्रक सीजी 04 जेसी 9052 में अचानक आग लग गई। सूचना पर दमकल वाहन मौके पर पहुंची तक ट्रक बुरी तरह जल चुका था। दुर्ग की ओर से उतई की ओर ट्रक जा रहा था। ट्रक में सरकारी धान की बोरिया लदी थी। चालक जैसे ही उतई सीआईएसएफ ट्रेनिंग सेंटर के पास ट्रक पहुंचा। ट्रक पिकअप लेना कम कर दिया। तब चालक ने एक्सिलेटर को दबाने लगा। तभी इंजन से धुंआ निकलने लगा। जब चालक उसे देखने के लिए ट्रक से नीचे उतरा तो ट्रक में आग लग चुकी थी। ट्रक को मौके पर ही छोड़कर चालक कूद गया।

9 साल से फरार अनाचार का आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। नौ साल से फरार

अनाचार के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2016 में शिकायत पर धारा 363, 366, 376, 5, 6 पाक्सों एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया गया था। सीएसपी हरिश पाटिल ने बताया कि नाबालिग युवती के साथ कैलाश नगर जामुल निवासी बीरसा लोहार अपने साथ भगा कर लेकर गया था। विवेचना दौरान वर्ष 2018 में नाबालिग की खोजबीन में पुलिस जुटी रही आरोपी बीरसा लोहार ने उसे बहला फुसला कर उडिसा लेकर गया था। नाबालिग के साथ अनाचार कर कुछ माह बाद उसे एक बच्चा भी हो गया। जिसे आरोपी ने रायगढ़ में छोड़कर फरार हो गया। फरार आरोपी बीरसा लोहार की रायगढ़, ओडिशा, झारखण्ड समेत अन्य जगहों पर खोजबीन की गई। आरोपी को पकड़ने के लिए खुर्सीपार पुलिस की टीम बनाई गई। आरोपी बीरसा लोहार की जानकारी पुलिस को मिली। शासकीय अस्पताल दुर्ग से उसे गिरफ्तार किया गया।

शादी कार्यक्रम में फोटोशूट कर घर लौट रहे थे

भिलाई के फोटोग्राफर की बालोद सड़क हादसे में गई जान, 1 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

शादी समारोह में फोटो शूट करने गए फोटोग्राफर की सड़क हादसे में मौत हो गई। जबकि उसका साथी को मामूली चोट आई है। हादसा जिला बालोद में हुआ है। बालोद पुलिस के मुताबिक खुर्सीपार स्थित सपना टाकिज के पास भिलाई निवासी नंद किशोर वर्मा अपनी कार सीजी 07 एलआर 8800 में सवार होकर अपने साथी ललित सोना के साथ दल्लीराजहरा स्थित रेलवे कालोनी में शादी समारोह में गए हुए थे।

इस दौरान फोटो शूट कर कार से रात को अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान ट्रक सीजी 4 पीआर 0516 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दानीटोला घाट बालोद के पास कार को चपेट में लिया। हादसे में फोटोग्राफर नंद किशोर वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। कार का परखच्चा उड़ गया। नंद किशोर का पावर हाउस में ओम लक्ष्मी फोटो स्टूडियो है। घटना बीती रात 2 बजे की है। खबर लगने पर बालोद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालने में एक घंटे का समय लग गया। सूचना पुलिस ने परिजनों को रात को दे दिया गया। मृतक नंद किशोर फोटोग्राफी करता था। वे शादी-ब्याह और अन्य कार्यक्रमों की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी किया करते थे। मृतक नंद किशोर के पांच भाईयों में तीसरे नंबर का था। इसके मौत के बाद परिवार में कमाने खाने वाला अब कोई नहीं है।

दानीटोला घाट बालोद में हुई घटना, कार के परखच्चे उड़ गए

गृह प्रवेश का सपना रह गया अधूरा

मृतक नंद किशोर वर्मा ने हाउसिंग बोर्ड में एक नया मकान लोन लेकर खरीदा था। घर की मरम्मत और टाइल्स लगाने का काम चल रहा था। होली के आसपास ही अपने घर का गृह प्रवेश का योजना उसने बना रखा था। लेकिन हादसे में मौत होने के बाद गृह प्रवेश का सपना अब अधूरा ही रह गया। खबर लगते ही परिवार में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक का दो साल का बेटा भी है

परिजनों का कहना है कि नंद किशोर का एक दो वर्ष का बेटा है। इस कारण ही वे अपने नए घर जल्द आने को लेकर कार्यक्रम खत्म होने के बाद तुरंत भिलाई आने के लिए कार से निकल गए थे। लेकिन न परिवार से न अपने बेटे से नंद किशोर मिल पाया। दानिटोला घाट के पहले जहां हादसा हुआ। वह जगह घुमावदार है। पहले भी कई हादसे यहां हो चुकी हैं।

रात रुकने से मना कर दिया था फोटोग्राफर ने

शादी समारोह के आयोजकों ने वीडियोग्राफर और फोटोग्राफर के रुकने की पूरी व्यवस्था की थी। मगर नंद किशोर वर्मा को भी रात में रुकने के लिए कहा गया था। लेकिन वे अपने फोटोग्राफर साथी के साथ कार में ही रात को कैमरा ऑपरेटर खेमलाल सोना के साथ घर के लिए निकल गए। हादसे की जानकारी के बाद परिजन बार-बार यही अफसोस जताते रहे कि काश वे रात में रुक जाते, तो यह हादसा न होता। हादसे के बाद पुलिस ने कार में रखा कैमरा और अन्य सामान पुलिस अपने पास रखा है।

घटना हुई है

तेज रफ्तार के कारण ही हादसा हुआ है। ट्रक चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज किया गया है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है। घटना दानिटोला घाट के पास हुई है। जांच किया जा रहा है।

-रविशंकर पाण्डेय,
टीआई बालोद

तेज रफ्तार बाइक सवार ने डायलिसिस कराकर घर लौट रहे युवक को ठोका, मौत

भिलाई। तेज रफ्तार से रांग साइड से आ रहे बाइक चालक ने एक्टिवा सवार को चपेट में लिया। हादसे में एक्टिवा सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने बाइक सवार को पकड़ लिया और उसके खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। स्मृति नगर चौकी प्रभारी गुरविंदर संधु ने बताया कि कैंप-1 शास्त्री नगर निवासी चंद्र प्रकाश साहू अपनी एक्टिवा से बाइपास पर स्थित आरोग्यम अस्पताल डायलिसिस करा कर लौट रहा था। इस दौरान बाइक सवार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक्टिवा सवार को कुकदा पुल के पास जोरदार ठोकर मार दी। घटना में चंद्रप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई। चंद्र प्रकाश की दोनों किड़नी खराब होने से हर 15 दिन उक्त अस्पताल में डायलिसिस कराने जाया करता था। शनिवार रात को भी चंद्रप्रकाश अस्पताल गया हुआ था। डायलिसिस कराकर अपनी एक्टिवा से अकेले धीरे-धीरे भिलाई की ओर आ रहा था। तभी रायपुर पासिंग बाइक चालक छोटू शर्मा तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुए एक्टिवा सवार को चपेट में लिया। बाइक और एक्टिवा की इतनी जोरदार टक्कर थी कि वाहनों के परखच्चे उड गए। चंद्र प्रकाश हादसे में दूर जा गिरा उसके सिर समेत शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोट आई थी। जिसे उपचार के लिए डायल 112 की टीम सुपेला अस्पताल लेकर गई। जहां से निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। ले जाते समय ही चंद्रप्रकाश ने दम तोड दिया। बताया गया है कि मृतक के दो बेटियां है जिसमें एक 12 और दूसरी 7 साल की है।

धमधा क्षेत्र में चुनाव, देर रात तक चलती रही गिनती

तीसरे चरण में 87 फीसदी मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का तीसरा चरण शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। सुबह सात से नौ बजे तक वोटरों की गिनती बूथो में सिर्फ 17 फीसदी रही। वहीं 11 बजे दुगुना वोटर ने वोटिंग कर दी थी। जबकि एक बजे सिर्फ 55 फीसदी मतदान दर्ज किए गए। लेकिन आखिर के दो घंटे में जमकर वोट बरसे, केन्द्रों में तीन बजे के बाद लंबी कतारे लगनी शुरू हो गई।

वहीं मतगणना आधी रात तक होती रही। देर रात तीसरे चरण में 87.98 फीसदी वोटिंग होने का आंकडा जारी किया गया। तीसरे चरण में पहले दो घंटे ही पुरूष आगे रहे, वहीं वोटिंग के अंतिम परिणाम के अनुसार पुरूष वोटिंग में आगे रहे। दोपहर बाद केन्द्रों में लोग वोट देने बडी संख्या में पहुंचने लगे। धमधा के साल्हे, नवागांव, रौंदा, परसकोल, भिलौरी, गोरपा, पेंड्रावन, अकोली, ठेलका जैसे विभिन्न गांव में पर्व के जैसा माहौल बन गया था। वोटिंग के बाद गांव में जीत हार की चर्चाएं भी जमकर होती रही। ग्रामीण वोट देने के बाद अपने पसंदीदा प्रत्याशियों के बारे में जानने मोबाइल और सोशल मिडिया में एक्टिव रहे। धमधा ब्लाक में हुए तीसरे चरण के मतदान में एक लाख 67733 मतदाता थे। बहरहाल देर रात तक वोटों की गिनती चलते रहने के कारण विजयी प्रत्याशियों की घोषणा नही हो पाई हैं। तीसरा चरण जिले में पंचायत चुनाव को लेकर अहम है। इसके परिणाम आने के बाद जिला पंचायत में किस पार्टी का दबदबा रहेगा यह स्पष्ट हो जाएगा।

दो-दो घंटे की वोटिंग का प्रतिशत

समय	पुरूष	महिला	वोटिंग प्रतिशत
9 बजे	14464	14131	17.21 फीसदी
11 बजे	28693	31302	36.11 फीसदी
1 बजे	43322	48285	55.14 फीसदी
3 बजे	74029	72146	87.98 फीसदी

21 हजार ने नहीं लिया भाग

तीसरे चरण के लिए जिला पंचायत के एक, दो, तीन और चार क्षेत्र में चुनाव था। वही जनपद धमधा में 25 सीट पर निर्णय होना है। सरंपच के 119 और पंच का सबसे ज्यादा 1734 पद है। तीसरे चरण में 74029 पुरूष मतदाताओं ने भाग लिया। वही इससे बढकर 72146 महिला वोटर शामिल हुए। जबकि 21558 वोटरों ने मतदान में भाग ही नही लिया।

सभी वर्गों ने मतदान में निभाई भूमिका

लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मतदान केंद्रों पर सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिलीं। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर चहल-पहल बढ़ गई थी। मतदाता बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे। मतदान केंद्रों पर पानी, छाया, बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी, जिससे मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी न हो। मतदान में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने जोश के साथ भाग लिया। बुजुर्ग मतदाता भी लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी भूमिका निभाने पहुंचे।

देर रात चलती रही मतगणना, नवागांव में बिजली बंद

सेक्टर एक में बनाए गए नवागांव बूथ में दोपहर बिजली बंद हो गई। जिससे मतदान प्रभावित रहा। एक बजे तक यहां 582 वोटर में सिर्फ 335 ने ही वोट दिया था। ऐसे में यहां लंबे समय तक वोटिंग कार्य प्रभावित रहा। मतदान की प्रक्रिया निपटने के बाद मतगणना शुरू होते ही गांव में मेले जैसे माहौल बन गया था। हांलाकि बूथों में बडी संख्या में पुलिस बल तैनात थे। मतदान के बाद गांव में परिणाम जानने ग्रामीणों के बीच हायतौबा की स्थिति निर्मित रही।

विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

भिलाई। बीएसपी के नगर सेवाएं विभाग के अन्तर्गत टाउन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वार्षिक रखरखाव योजना 2024-2025 के तहत टाउनशिप में विद्युतीय मेंटेनेंस एवं अनुरक्षण कार्य संपादित किये जा रहे हैं। 24 फरवरी को मरोदा सेक्टर व रिसाली, 25 फरवरी को सेक्टर-6 का एक तिहाई हिस्सा व सेक्टर-2 का आधा हिस्सा।

राज्य आयोग ने स्टे को किया शून्य घोषित

पार्षद चंदन का रास्ता हुआ साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई निगम के वार्ड क्रमांक 35 के पार्षद चंदन यादव ही होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने तत्कालीन पार्षद सलमान के हाईकोर्ट द्वारा चुनाव के दौरान पेश किए गए स्टे को अब शून्य घोषित कर दिया है। इससे सलमान की शिकायत निरस्त हो गई है। अब चंदन यादव ही यहां के निर्वाचित पार्षद हो जाएंगे।

इसलिए आई उपचुनाव की नौबत

वार्ड क्रमांक 35 में उपचुनाव करवाया गया था। इसलिए कि यहां के तत्कालीन पार्षद मोहम्मद सलमाननिर्वाचित पार्षद था। उनके विरुद्ध चंदन यादव एवं अन्य द्वारा छत्तीसगढ़ नगर निगम अधिनियम की धारा 19(1)(a-1) के तहत शिकायत दर्ज करवाई गई थी। इसके परिणामस्वरूप, संभागीय आयुक्त ने 6 मई 2024 को एक आदेश पारित करते हुए पद से हटा दिया। जिसकी वजह से उपचुनाव की नौबत आई।

कांग्रेस प्रत्याशी की नाम वापसी से चंदन निर्वाचित घोषित

वार्ड क्रमांक 35 में उपचुनाव के दौरान नाटकीय मोड़ आया। यहां उपचुनाव में कांग्रेस पार्षद ने नाम वापसी के दिन अपना नाम वापस ले लिया। इसलिए भाजपा समर्थित प्रत्याशी चंदन यादव निर्विरोध निर्वाचित हो गए। जिला निर्वाचन आयोग ने चंदन यादव को विजयी होने का सर्टिफिकेट भी दे दिया। इसी बीच सलमान ने उच्च न्यायालय, बिलासपुर में एक रिट याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करते हु उच्च न्यायालय ने संभागीय आयुक्त और सचिव द्वारा पारित पार्षद पद से हटाने के आदेशों के प्रभाव और संचालन पर रोक लगा दी । जिसकी वजह से सलमान ने राज्य आयोग को पत्र देकर उपचुनाव पर रोक लगाने कहा था।

आंख में मिर्च पाउडर झोंक कर लूटपाट, बाइक सवारों की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

फेरीवाले के ऑख में मिर्च पाउडर झोंक कर लूटपाट करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ धारा 309 (4) के तहत जुर्म दर्ज किया है। बोरी पुलिस के मुताबिक ग्राम टेकापार निवासी महेन्द्र कुमार सोनी में गांव गांव घुमकर फेरी लगाकर सोन चांदी के जेवरात बेचा करता है। 22 फरवरी की सुबह ग्राम रूहा जाने के लिए अपने भतीजा राहुल सोनी के साथ बाइक पर निकला था। ग्राम रूहा में अपने जेवरात का फेरी लगाकर सामान बेचकर चाचा भतीजा दोनों अपने घर ग्राम टेकापार लौट रहे थे। तभी रास्ते में तीन बाइक सवार युवक अचानक पहुंचे और दोनों को रोकने का इशारा किया। इशारा देख राहुल बाइक रोक दी। इस दौरान एक आरोपी ने राहुल सोनी के आंख में मिर्च पाउडर झोंक कर उसे घायल कर दिया। आंखों में मिर्च पावडर लगने से राहुल का बाइक लड़ खड़ाकर चाचा भतीजा दोनों सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद तीनों अज्ञात बदमाशों ने उनके पास रखे सोना चांदी के जेवरात से भरे काले रंग के रेगजीन बैग को लूट कर मौके से फरार हो गए। आरोपी बाइक से ग्राम खिलौरा की ओर निकल गए। वारदात इतना जल्द हुआ कि पीड़ितों ने बाइक सवारों का नंबर तक नहीं देख पाए। पीड़ितों ने फरार आरोपियों का पीछा करने निकले तो युवकों ने चाकू दिखाकर उन्हे भगा दिया।

बोरी थाना क्षेत्र की घटना

बैंग में थे 96 हजार के जेवरात

पीड़ित महेन्द्र कुमार सोनी ने पुलिस को जानकारी की बैग में सोने के पत्ती, डोरला बेलपत्ती, मंगल सूत्र, पिटवामनी, बाली, फुल्ली, ओम लाकेट, चांदी के गुब्बा पायल फैंसी पायल, बच्चों का पायल फैंसी सामान, फैंसी मोटा पायल आदि जेवरात थे। जिसकी कीमत 96 हजार रुपए आंकी गई है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि लूट की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों को देख कर शिनाख्त कर सकता है। बोरी पुलिस ने बताए गए हुलिए के आधार पर खोजबीन शुरु कर दिया है।

आकाशगंगा ढिल्लन कॉम्प्लेक्स का भौतिक सत्यापन

कई दुकानदारों के पास दस्तावेज नहीं, कब्जे भी मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आकाशगंगा व्यावसायिक परिसर में ढिल्लन काम्पलेक्स निर्मित है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के आदेशानुसार दल का गठन किया गया है। जो उक्त स्थल की जांच एवं भौतिक सत्यापन व परीक्षण करेगा और उसका वास्तविक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। गठित दल में प्रमुख रूप से उपायुक्त सह विधि

अधिकारी नरेन्द्र कुमार बंजारे, जोन-1 आयुक्त अजय सिंह राजपूत, सहायक राजस्व अधिकारी जे.पी.तिवारी, धीरज साहू, उपअभियंता दौलत चंद्राकर, सिद्वार्थ साहू, प्रभारी उपअभियंता बसंत साहू, प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी प्रशन्न तिवारी, शशांक सिंह, सर्वेयर जगमोहन वर्मा एवं ट्रेसर उमेश साहू को शामिल किया गया है।

दल के सदस्य प्रस्तावित स्थल पर जाकर यह पता करेगा, कि भवन अनुज्ञा कितने पर लिया गया है, कितने का भवन पूर्णताः प्रमाण पत्र लिया गया है एवं वर्तमान में उसका वास्तविक स्थिति क्या है। स्थल पर कोई अतिरिक्त निर्माण तो नहीं किया गया है, वहां पर कौन-कौन किरायेदार है और उसका वास्तविक मालिक कौन है। इसी वास्तविकता की जांच करने के लिए गठित दल के सदस्य गए थे। सभी दुकानो का भौतिक सत्यापन किया गया। वहां पर वास्तविक कब्जाधारी है। कुछ लोगों ने कागज दिखाये, ज्यादातर लोगों ने किरायेदारी के रूप में लिए है या खरीदी-बिक्री कर लिया है। सभी के दस्तावेजो को मंगवाया गया है, उसकी जांच कर भौतिक सत्यापन/परीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट किया जायेगा। ढिल्लन काम्पलेक्स द्वारा जमा किये जा रहे संपत्तिकर, जलकर, भू-भाटक इत्यादि का वास्तविक मूल्यांकन किया जा सकेगा। भौतिक सत्यापन के दौरान भवन अनुज्ञा शाखा से अभियंता सिद्वार्थ साहू, सहायक राजस्व अधिकारी प्रशन्न तिवारी, सर्वेयर जगमोहन वर्मा, ट्रेसर उमेश साहू एवं निगम के राजस्व विभाग का दल उपस्थित रहा।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

9300663610, 7489348301

लोकतंत्र के पर्व में जमकर दिखा उत्साह, महिला व बुजुर्ग रहे आगे

खबर संक्षेप

राम ने पिता के वचनों का मान रखा : पं. निरंजन

दुर्ग। बघेरा दुर्ग वार्ड क्रमांक 56 साईं नगर में नव दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा भी संत निरंजन महाराज ने राम के वनगमन की कथा बताई। उन्होंने कहा कि श्री राम के राज्याभिषेक का समाचार सुनकर मंथरा ने कैकई को भड़का दिया। इस पर कैकई ने महाराज दशरथ से दो वचनों में राम को वन और भरत को राज्य मिल जाए मांग लिया। राम ने पिता के वचनों का मान रखा। वनगमन प्रसंग सुनकर भक्त भाव विभोर हो गए। राम कथा के आयोजक मार्तण्ड सिंह ,राजेश्वरी राजपूत ,मेघा सिंह राजपूत,सौरभ प्रताप सिंह राजपूत, विक्की राजपूत सहित नगर वासी आनंद उठा रहे हैं।

कलेक्टर व सीईओ ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

बालोद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल एवं सीईओ जिला पंचायत एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. संजय कन्नौजे ने रविवार को तीसरे एवं अंतिम चरण के मतदान के अंतर्गत गुरूर एवं गुण्डरदेही विकासखण्ड के विभिन्न मतदान केन्द्रों में पहुँचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर चन्द्रवाल ने मतदान केन्द्र भूलनडबरी, धनेली, बोडरा, भोथली, कोसागोंदी, अरमरीकला, बेलोदी, हल्दी एवं सिकोसा का निरीक्षण कर मतदान के कार्यों का अवलोकन किया। चन्द्रवाल ने मतदान अधिकारियों से मतदान के संबंध में आवश्यक जानकारी ली और मतदान कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्र में उपस्थित मतदाताओं से बातचीत कर मतदान केन्द्र के व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। इसके अलावा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने भी गुण्डरदेही विकासखण्ड के विभिन्न मतदान केन्द्रों में पहुँचकर मतदान कार्य का अवलोकन किया गया।

अनदेखी : नियमितिकरण के पुराने प्रकरणों पर नहीं किया जा रहा विचार

नियमितिकरण के लिए काट रहे चक्कर, निकायों में प्रकरण डंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

अनाधिकृत मकानों के अवैध निर्माण को नियमितिकरण को लेकर अब तक ठोस निर्णय नही लिए जाने के कारण हजारों प्रकरण निकायों और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग में डंप है। हालात यह है कि, भाजपा सरकार द्वारा नियमितिकरण को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी नही किए जाने के कारण ऐसे प्रकरण पर ब्रेक लग गया हैं।

राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद ऐसी उम्मीद थी कि, जल्द ही नियमितिकरण की प्रक्रिया फिर से शुरू होगी। लेकिन कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए इस स्कीम को वर्तमान सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है। उल्लेखनीय हैं कि कांग्रेस सरकार द्वारा मकानों के अनाधिकृत निर्माण को नियमित करने की प्रक्रिया विगत वर्ष 2023 के सितंबर माह तक जारी रखी गई थी। लेकिन इसके बाद विधानसभा चुनाव फिर सत्ता परिवर्तन होने के कारण पहले से जमा कई प्रकरण धूल खा रहे है। आवेदन करने के बाद हितग्राही सरकार के फैसले पर नजर जमाए हुए है। लेकिन अब तक नियमितिकरण को लेकर स्पष्ट निर्देश नही दिए जा रहे हैं।

वर्ष 2023 तक के नियमितिकरण के प्रकरण अटके, नई निर्देश भी जारी

वर्ष 2011 के पहले प्रकरण पर ये नियम

जानकारी अनुसार राज्य शासन ने हाल ही में एक विधेयक जारी किए हैं। जिसमें पार्किंग के लिए जगह नही छोडने पर 25 हजार से दो लाख तक जुर्माने का प्रावधान किया गया हैं। इस निर्देश की माने तो अगर पार्किंग की जगह नही छोडी गई है तो दो लाख रुपए शास्ति (जुर्माना) लगेगा। यह संशोधन 2011 के पहले अस्तित्व में आए अनियमित निर्माण पर लागू होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि, कांग्रेस सरकार के दौरान किए गए नियमितिकरण का क्या होगा।

इन निकायों में इतने प्रकरण रूके

वर्ष 2023 के सितंबर माह के पहले नियमितिकरण के प्रकरण जमा हो गए हैं। सूत्रों ने बताया कि, विधानसभा चुनाव निपटने के बाद ऐसे प्रकरणों को सरकार द्वारा रोक लगा दी गई। लेकिन आगे इन प्रकरणों को लेकर नई नीति ही जारी नही की गई हैं। जिससे परेशानी सामने आ रही हैं। नगरनिगम दुर्ग, भिलाई, रिसाली, चरोदा और नगर पालिका परिषद अमलेश्वर, नगर पंचायत पाटन, नगर पालिका परिषद कुम्हारी और तीनों अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, धमधा और पाटन में 11700 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसमें 9070 प्रकरण टाउन प्लानिंग विभाग को अनुमोदन के लिए मिले है। वही कारीब 2430 प्रकरण निकायों से प्राप्त नहीं हुए हैं। करीब 5623 प्रकरण निराकृत हो चुके हैं। वही आगामी बैठक के लिए 2510 प्रकरण पेंडिग है।

भूमाफियाओं की मौज, खरीददारों से वसूली

दुर्ग जिले में ज्यादातर जमीन खरीदने वाले हितग्राही मध्यम वर्गीय है। भूमाफियाओं द्वारा अवैध प्लाटिंग के जरिए छोटे टुकडों में जमीन बेचे गए। लेकिन अब निकायों द्वारा भूमाफियाओं को छोड जमीन खरीददार से विकास शुल्क वसूल रहे हैं। अफसरों की माने तो विकास शुल्क लेकर वे सडक और बिजली जैसे बुनियादी सुविधा का विकास करेगें। जबकि यह कार्य जमीन बेचने वाले बिल्डरों की है। लेकिन भूमाफिया जमीन को डेव्लप किए बगैर अवैध प्लाटिंग कर मुनाफा कमा रहे है और जमीन खरीददार से वसूली हो रही हैं।

जिले के 80 गांव में नहीं बनी मिशन की टंकियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

पांच साल बीतने के बाद भी जिले में जलजीवन मिशन का काम अधूरा हैं। यहां अभी तक 80 टंकियों का निर्माण तक नही हुआ है। ऐसे में इन गांव में बोरवेल्स के जरिए पेयजल की सप्लाई की जा रही हैं।

- जिले के 281 गांव में से अभी 80 टंकी नही बनी

जानकारी अनुसार मिशन की शुरूआत वर्ष 2018-19 में किया गया था, जिसे वर्ष 2023 में पूरा करना था। लेकिन यह अब तक पूरा नही हुआ हैं। जिले में पाइप लाइन विस्तार का कार्य पूरा कर लिया गया हैं। वही राज्य शासन द्वारा मिशन का कार्य ग्राम पंचायतों को समिति बनाकर हैंडओव्हर किए जाने के निर्देश दिए गए है। जिले में मिशन के तहत 385 गांव शामिल है। इसमें 281 गांव टंकी का निर्माण करना था। जिसमें अभी भी करीब 80 टंकी का निर्माण पूरा नही किया गया है। जिसके चलते इसके दायरे में आने वाले गांव के उपरी हिस्सा में पानी सप्लाई होने में दिक्कत आ रही हैं। मिशन के तहत 385 में करीब 201 गांव नल जल समूह के दायरे में आ रहा है।

यानि नदी से संपवेल बनाकर ऐसे गांव में पानी पहुंचाना है, जहां जलस्तर कम होने के कारण वहां पेयजल की समस्या हैं। इसमें सात समूह में 238 करोड खर्च होने है। इस समूह योजना के तहत पेजयल फिल्टर कर 201 गांव में सप्लाई करना है। निकुम, ओदरागहन-सुपरा, कौही अंजोरा-ढाबा और मोतिमपुर में इंटेकवेल और फिल्टर प्लांट बनाएंगे। इसे भी अब तक बन जाना था। लेकिन आगामी दिसंबर 2025 में समूह योजना पूरा करने का विभाग दावा कर रही हैं। पीएचई के ईई उत्कर्ष पांडेय का कहना है कि, समूह जल योजना को छोडकर शेष 186 गांव में घर-घर जल पहुंचाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। अभी 70 ग्राम पंचायत को संचालन के लिए हैंडओव्हर किया जा चुका हैं।

पिछले साल के मुकाबले इस बार धमधा में कम वोटिंग, 21 हजार रहे बाहर

दुर्ग। पिछले साल के मुकाबले इस बार धमधा ब्लाक में वोटिंग प्रतिशत गिर गई हैं। पिछले साल धमधा में पुरूष 89.65 फीसदी व महिला 87.93 फीसदी टोटल 88.80 फीसदी थे। जबकि इस बार पुरूष 88.65 फीसदी व महिला 87.37 फीसदी टोटल सिर्फ 87.98 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई है। इस बार आयोग को यहां वोटिंग में बढत नही मिली हैं। 21 हजार 558 ने वोट नहीं दिया।

महाशिवरात्रि पर होगा महामृत्युंजय जप यज्ञ, ज्योति स्तंभ का भी भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

बारह ज्योतिर्लिंग मंदिर में 26 फरवरी महाशिवरात्रि को महामृत्युंजय जप यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे उज्जैन व आंध्रप्रदेश के मदुरई में स्थित दिव्य मनोकामना स्तम्भ के अनुरूप दुर्ग में भी महास्तम्भ बनाया जाएगा। जिसका भूमिपूजन महाशिवरात्रि के दिन यज्ञ की संपन्नता के उपरांत किया जाएगा।

- शिव सतरुपा बारह ज्योतिर्लिंग में कार्यक्रम

शिव सतरूपा बारह ज्योतिर्लिंग सेवा समिति के अध्यक्ष रमेश शर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि को धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसके अनुरुप विश्व शांति व जन कल्याण हेतु मंदिर प्रांगण में महामृत्युंजय जप यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे शहर के सभी श्रद्धलुओं को आमंत्रित किया गया है। साथ ही मनोकामना दिव्य ज्योति स्तम्भ का भूमिपूजन किया जाएगा।

मंदिर समिति के उपाध्यक्ष तामेश तिवारी ने बताया कि महाशिवरात्रि की तैयारी लगभग पूर्ण हो चुकी है भक्तों को आमंत्रित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत सुबह 8 बजे द्वादश ज्योतिर्लिंगों का सामूहिक रुद्राभिषेक, उपरांत पूरे विधि विधान से महामृत्युंजय जप यज्ञ प्रारंभ होगा। शाम 5 बजे दिव्य मनोकामना ज्योति स्तम्भ का भूमिपूजन किया जाएगा। मंदिर के प्रधानाचार्य पं. सागर चौबे ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन प्रातः काल से पूरे विधिविधान से भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन किया जाएगा व सभी ज्योतिर्लिंग का सामूहिक रुद्राभिषेक पशचात महामृत्युंजय जप यज्ञ प्रारम्भ होगा जो शाम तक चलेगा। उसके बाद भूमिपूजन, महाआरती व महाप्रसादी वितरण किया जाएगा।

सुराना महाविद्यालय में प्रिज्म कॉलेज के साथ प्री-प्लेसमेंट कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

सेठ आरसीएस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय एंव प्रिज्य कॉलेज उतई के मध्य हुए एमओयू के तहत सेठ आरसीएस कला एंव वाणिज्य महाविद्यालय में आईक्यूएसी एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला एवं प्री-प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता स्वपनील रूमिता जना, आशीष कुमार, निधि साहू प्रिज्म कॉलेज उतई से उपस्थित हुए। उन्होनें छात्र-छात्राओं को कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कैरियर के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी। मुख्यतः प्लेसमेंट के पूर्व होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं से अवगत कराया। लिखित परीक्षा, लिखित परीक्षा के पश्चात छंटनी, मॉक टेस्ट, साक्षात्कार आदि। प्री प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं की लिखित परीक्षा ली गई एवं अन्य प्रक्रियाएं भी की गई। यह प्री प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन विभिन्न क्षेत्रों बैंकिग फाइनेंस एवं बीमा के क्षेत्र, आई.टी. क्षेत्र, ऑटो मोबाईल क्षेत्र, टेलिकोम क्षेत्र, उत्पादन क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों में रोजगार के लिए किया गया। प्रभारी प्राचार्य एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. प्रमोद यादव ने अतिथि का स्वागत किया।

समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का खरीदी के लिए पंजीयन 31 अक्टूबर तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

खरीफ विपणन 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान और मक्का की खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन एक जुलाई से चल रहा है,

- धान और मक्का खरीदी के लिए जारी है पंजीयन

जो 31 अक्टूबर तक चलेगा। पंजीयन के लिए किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, सहकारी समिति प्रबंधक से संपर्क कर नया पंजीयन करा सकते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ विपणन 2024-25 में नया पंजीयन, फसल, रकबा संशोधन एवं कैरी फारवर्ड हेतु 1 जुलाई 2024 से किसानों का पंजीयन प्रारंभ किया गया है। किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, समिति प्रबंधक से संपर्क कर नया पंजीयन करा सकते हैं एवं वारिसान पंजीयन हेतु तहसील कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं, ताकि धान विक्रय करने वाले किसान को कृषक उन्नति योजना का लाभ प्राप्त हो सके। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदेश के किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने की दृष्टि से कृषक पंजीयन की प्रकिया के सरलीकरण हेतु एकीकृत किसान पोर्टल विकसित किया गया है। एकीकृत किसान पोर्टल के नवीन पंजीयन तथा पंजीकृत फसल और रकबे में संशोधन की कार्यवाही 31 अक्टूबर तक सहकारी समिति के माध्यम से पंजीयन की जाएगी।

ये होंगे नामिनी

नामिनी के रूप में किसान के परिवार के नामित सदस्य में माता-पिता, पति-पत्नी, पुत्र-पुत्री, दामाद-पुत्रवधू, सगा भाई-बहन एवं अन्य करीबी रिश्तेदार को मान्य किया जाएगा। किसान यदि गत वर्ष पंजीकृत नॉमिनी में परिवर्तन करना चाहता है, तो समिति स्तर पर संशोधन की कार्यवाही की जाएगी। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में नवीन पंजीयन कराने वाले किसान से नॉमिनी की जानकारी एकत्र किया जाएगा।

ऐसे होगा पंजीयन

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली के लिए किसान द्वारा धान विक्रय के समय धान खरीदी केन्द्र में स्वयं या उनके द्वारा नामांकित नामिनी के द्वारा उपस्थित होकर बायोमेट्रिक आधारित खरीद प्रणाली के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया जा सकता है। इसके लिए किसान पंजीयन हेतु एकीकृत कृषक पंजीयन पोर्टल पर किसान का पंजीयन निर्धारित अवधि के दौरान किसान एवं उसके एक नामिनी का आधार नंबर लिया जाएगा।

पाटन जनपद में किसी भी पार्टी को नहीं मिली बहुमत

पाटन जंप के विजयी प्रत्याशियों को सीईओ ने बांटे प्रमाण-पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

पाटन जनपद में भाजपा समर्थित दस प्रत्याशी जीतकर आए है, वही कांग्रेस के आठ प्रत्याशी जीते है। वही निर्दलीय से सात सीट ने कब्जा जमाया है। परिणाम सामने आने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि, जनपद में किस पार्टी की सरकार बनेगी, इसके लिए निर्दलीय के भरोसे रहना पडेगा।

- दूसरे चरण के प्रत्याशियों को बांटे प्रमाण-पत्र

सीईओ जिला पंचायत बजरंग दुबे द्वारा सभी विजई प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र बांटे गए। जानकारी अनुसार पाटन के जनपद क्षेत्र क्रमांक एक से कस्तुरी बाई बंजारे भाजपा, दो से कीर्ति दुर्गेश नायक भाजपा, तीन से प्रणव शर्मा भाजपा, चार से शैलेन्द्र कुमार साहू कांग्रेस, पांच से दामिनी राकेश कुमार साहु निर्दलीय, छः से रेखा बाई जोशी निर्दलीय, सात से संतोषी ठाकुर भाजपा, आठ से डुलेश्वर सिंह मानकर निर्दलीय, नौ से अनन्द राम बघेल कांग्रेस, दस से सीता सुरेश निषाद कांग्रेस, 11 उर्वशी वर्मा कांग्रेस, 12 चंद्रिका चित्रसेन कलिहारी निर्दलीय 13 रामसुमेर छेदैया भाजपा 14 दुलौरिन यादव निर्दलीय, 15 दीपमाला विजय जैन कांग्रेस, 16 कुसुमलता राकेश आडिल निर्दलीय, 17 भावना विष्णु निषाद भाजपा, 18 दिनेश साहू कांग्रेस, 19 कमलेश वर्मा निर्दलीय, 20 रश्मि वेदप्रकाश वर्मा कांग्रेस, 21 भास्कर वर्मा भाजपा, 22 रामकुमार चंद्राकर भाजपा, 23 खेमलाल देशलहरे भाजपा, 24 अजय कुमार काग्रेस, 25 रवि सिन्हा भाजपा ने जीत दर्ज की हैं।

पाटन जिला पंचायत के चार सीट की स्थिति

पाटन में जिला क्षेत्र क्रमांक 9 से कांग्रेस के देवेन्द्र चंद्रवंशी को 19888 वोट मिले। वहीं भाजपा के दिव्या कलिहारी को सिर्फ 14510 वोट मिले। क्षेत्र 10 से भाजपा के नीलम राजेश चंद्राकर को 20374 और कांग्रेस के संतोषी तिवारी को 10773 वोट मिले। क्षेत्र 11 से कांग्रेस के नोकिन ठाकुर को 18605 और भाजपा के शैलेन्द्री मंडावी को 17384 वोट मिले। क्षेत्र 12 से भाजपा के कल्पना साहू को 21438 और कांग्रेस के सुमन अशोक साहू को 13059 वोट ही मिले। इस तरह चार सीट में भाजपा दो और कांग्रेस दो पर रही।

दुर्ग जनपद में बहुमत के लिए 13 सीट की जरुरत

दुर्ग जनपद के चौबीस सीट में 13 सीट चाहिए। यहां भाजपा के पास 11 और कांगेस के पास आठ व पांच निर्दलीय हैं। क्षेत्र क्रमांक 1 कुलेश्वरी सुखदेव देवांगन भाजपा, 2 मिलवानतीन रेवाराम ठाकुर कांग्रेस, 3 नंद कुमार साहू स्वतंत्र, 4 राजेश ठाकुर कांग्रेस, 5 संतोषी कृष्ण देशमुख भाजपा, 6 संतोष निषाद स्वतंत्र, 7 रजनी कुमारी साहू भाजपा, 8 पूर्णिमा वर्मा भाजपा, 9 प्रतिभा देवांगन भाजपा, 10 गोकुल वर्मा भाजपा, 11 गोपाल कुमार यादव स्वतंत्र, 12 प्यारी बाई निषाद-कांग्रेस, 13 बेला बाई यादव भाजपा, 14 संगीता माखन साहू भाजपा, 15 किशोरी लाल देशमुख कांग्रेस, 16 दामिनी साहू कांग्रेस, 17 लीलावती रूपेश देशमुख कांग्रेस, 18 अजीत कुमार चंद्राकर भाजपा, 19 लोमश चंद्राकर (रिंकू) स्वतंत्र, 20 जितेंद्र टंडन भाजपा, 21 राकेश कुमार हिरवानी कांग्रेस, 22 झमित गायकवाड कांग्रेस, 23 बिंदु दिनेश देश लहरा भाजपा, 24 ढालेश साहू (राजू) स्वतंत्र ने जीत हासिल की हैं।

बोर्ड परीक्षा : ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर 30 जून तक लगा प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने शालेय, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए ध्वनि प्रदूषण, विनिमय एवं नियंत्रण, एवं कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के लिए रात्रि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा किसी भी स्त्रोत से निकाली गई इस प्रकार की ध्वनि प्रदूषण जो अध्ययन एवं अन्य कार्य में विघ्न डालती है या जिससे ऐसा विघ्न पड़ना संभाव्य है को संपूर्ण दुर्ग जिले में 30 जून तक के लिए प्रतिबंधित किया है। जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार धार्मिक त्यौहारों, संस्कारों, शादी, उत्सवों, चुनाव प्रचार इत्यादि के अवसर पर व्यक्ति विशेष के पक्ष में ऐसे कारणों से जो लेखबद्ध किये जाएंगे में आवश्यक होने पर अनुमति संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी जिला दुर्ग द्वारा शर्तों के अधीन दी जाएगी। शर्तों के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्र की उपयोग धीमी स्वर में किया जाए। किसी निजी उपयोग के स्थान की सीमा या किसी व्यक्ति द्वारा अपने निजी यंत्रों का उपयोग किया जा रहा है तो उसकी सीमा उस क्षेत्र के लिए निर्धारित परिवेशीय वायु गुणवत्ता सीमा से 5 डी.बी.(ए) से अधिक नहीं होना चाहिए। ध्वनि उत्पन्न करने वाले यंत्रों का उपयोग सार्वजनिक स्थलों पर किया जा रहा हो तो उसकी सीमा उस क्षेत्र के परिवेशीय ध्वनि पैमाने से 10.00 डी.बी.(ए) या 75 डी.बी.(ए) से अधिक नहीं होनी चाहिए। ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग दो छोटे बाक्स के साथ सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ही किया जाए।

- कलेक्टर ने जारी किया आदेश

कार्तिकेय ने तारकासुर का वध कर संसार को अत्याचार से मुक्त कराया था: पं. पाण्डेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

अण्डा में श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन, आज होगा भगवान शिव का महाअभिषेक

भगवान शंकर की लीला अपरंपार है, मां पार्वती की महिमा का वर्णन करने में शास्त्र भी थक जाते हैं। शास्त्रों में भगवान शिव और मां पार्वती को श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक बताया गया है। घनीभूत श्रद्धा के प्रतिबिम्ब भोले शंकर और भगवती पार्वती के पुत्र कार्तिकेय ने ही तारका सुर का वध कर संसार को असुर के अत्याचार से मुक्त कराया था। शिव की समाधि को मन्मथ के माध्यम भंग किया गया ताकि श्रद्धा के साथ विश्वास का विवाह हो सके। आयोजक शंकर भोला महिला भजन मंडली एवं समस्त ग्रामवासी अण्डा गुरुवार बाजार चौक में श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन चल रहा है। व्यासपीठ आचार्य पं. महेन्द्र पाण्डेय ने श्री शिव महापुराण कथा के अलावा शबरी और भगवान श्रीराम और भरत का प्रसंग बताया गया।

उन्होने शिव एवं सती के विवाह के बारे में बताया कि भगवान शिव के विवाह के बारे में पुराणों में वर्णन मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने सबसे पहले सती से विवाह किया था। भगवान शिव का यह विवाह बड़ी जटिल परिस्थितियों में हुआ था। सती के पिता दक्ष भगवान शिव से अपने पुत्री का विवाह नहीं करना चाहते थे, लेकिन ब्रह्मा जी के कहने पर यह विवाह सम्पन्न हो गया। एक दिन राजा दक्ष ने भगवान शिव का

अपमान कर दिया जिससे नाराज होकर माता सती ने यज्ञ में समाहित हो गई। इसके बाद भगवान शिव तपस्या में लीन हो गए।

उधर माता सती ने हिमवान के यहां पार्वती के रूप में जन्म लिया। तारकासुर नाम के एक असुर का उस समय आतंक था। देवतागण उससे भयभीत थे। तारकासुर को वरदान प्राप्त था कि उसका वध सिर्फ भगवान शिव की संतान ही कर सकती है। उस समय भी भगवान शिव अपनी तपस्या में लीन थे। तब सभी देवताओं ने मिलकर शिव और पार्वती के विवाह की योजना बनाई। भगवान शिव की तपस्या को भंग करने के लिए कामदेव को भेजा गया लेकिन वह भस्म हो गए। देवताओं की विनती पर शिव जी पार्वती से विवाह करने के लिए राजी हुए। विवाह की बात तय होने के बाद भगवान शिव की बारात की तैयारी हुई। इस बारात में देवता, दानव सभी लोग शामिल हुए। भगवान शिव की बारात में भूत पिशाच भी पहुंचे और ऐसी बारात को देखकर पार्वती की मां बहुत डर गईं और कहा कि वे ऐसे वर को अपनी पुत्री को नहीं सौंप सकती हैं। तब देवताओं ने भगवान शिव को परंपरा के अनुसार तैयार किया, सुंदर तरीके से श्रृंगार किया इसके बाद दोनों का विवाह संपन्न हो गया। आज शिव महापुराण कथा का समापन और शिव जी का महाअभिषेक होगा साथ ही साथ महा प्रसादी वितरण किया जाएगा।

खबर संक्षेप

धनोरा में शाकंभरी महोत्सव व सामाजिक सम्मेलन 2 मार्च को

अंडा। धनोरा कोसरिया मरार समाज दुर्ग राज के तत्वावधान में धनोरा परिक्षेत्रीय के द्वारा 2 मार्च को शाकंभरी महोत्सव एवं सामाजिक सम्मेलन का आयोजन रखा गया है। इस आयोजन के लिए बैठक रखी गई। वहीं परिक्षेत्रीय अध्यक्ष यशवंत पटेल ने बताया कि सुबह 9 बजे कलश यात्रा बजार चौक से निकालकर मां शाकंभरी शीतला मंदिर होते हुए। मेन गली से गोल्डन चौक से वापस बाजार चौक पहुंचेंगे। तत्पश्चात लोक चिन्हारी संस्था भरथरी सिकोसा हेमलता पटेल की प्रस्तुति होगी। दोपहर 2 बजे सामाजिक बच्चो के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति, 3 बजे अतिथि आगमन उद्बोधन होगा। समाज में उत्कृष्ट सम्मान, बुजुर्ग सम्मान, खेल सम्मान, शिक्षा सम्मान आदि कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम में लगभग 42 गांव से समाजिक लोग उपस्थित रहेंगे। बैठक में नुमेन्द्र पटेल, मोहन पटेल, शेष नारायण पटेल, रमेश पटेल, थैलेश पटेल, प्रकाश पटेल, रोमन पटेल, कल्याण, पटेल, प्रदीप पटेल, परमेश्वर, अवध, रमेश, रविश, दीपक, तानू राम, जीवन, प्रभा पटेल, पूजा पटेल, चंद्रिका पटेल, लीला पटेल, कामिनी पटेल, हितेश्वरी पटेल आदि उपस्थित थे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी मनोज पटेल ने दी।

निधन

गया प्रसाद शुक्ला

भिलाई। नंदिनी माइंस के प्रतिष्ठित श्रमिक नेता, प्रांतीय माइंस फेडरेशन (इंटक) के पूर्व अध्यक्ष एवं बीएसपी के सेवानिवृत्त अधिकारी गया प्रसाद शुक्ला उम्र

85 वर्ष का निधन 23 फरवरी को हो गया। शुक्ला वर्तमान में भिलाई कॉलेज ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, जामुल के अध्यक्ष एवं सरयूपारीण ब्राह्मण समाज भिलाई- दुर्ग के संरक्षक थे। उनकी अंतिम यात्रा 24 फरवरी को सुबह 11 बजे उनके निवास 15/19ए , नेहरू नगर (पूर्व) से निकलेगी एवं अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया जायेगा। वे भिलाई कॉलेज ऑफ़ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के संचालक रवींद्र शुक्ला के पिता, नरेंद्र शुक्ला के चाचा एवं राजशेखर तिवारी, सूर्य शेखर तिवारी के मामा थे।

डी राकेश कुमार

भिलाई। क्वार्टर 14/ए सड़क 10 सेक्टर 7 निवासी पूर्व बीएसपी कर्मी डी राकेश कुमार (65 वर्ष)

का निधन रविवार को सेक्टर 9 अस्पताल में हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। अंतिम यात्रा दोपहर 3 बजे सेक्टर 7 निवास से निकलेगी। वे पत्नी इंद्रकला और पुत्र आर रोशन मुदलियार तथा पुत्री आर ईशा का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

तिरंगा और झोला में मनाया गया छत्रपति शिवाजी जयंती समारोह

छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन लोगों के लिए बना है प्रेरणा स्त्रोत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

दिल्लीवार कुर्मी समाज ने शिवाजी को किया याद

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तिरगा में दिल्लीवार कुर्मी समाज द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती समारोह को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज महानायक थे। दिल्लीवार समाज के महामंत्री अशोक कुमार देशमुख ने बताया कि छत्रपति शिवाजी

- भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में शिवाजी महाराज की गौरव गाथा दर्ज है

महाराज को लोग हिंदू हृदय सम्राट भी कहते हैं। आगे कहा कि भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में शिवाजी महाराज की गौरव गाथा दर्ज है। शिवाजी एक महान हिंदू रक्षक थे। इसके बावजूद वे सभी धर्मों का आदर करते थे। उन्होंने कहा कि ऐसे साहसी वीर योद्धाओं के जीवन से हम सभी को प्रेरणा लेना चाहिए। आज युवाओं में समाज के प्रति सामाजिक समरसता की भावना जागृत हो रहा है हम हमारे बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी देना चाहिए ताकि वह समाज और देश के लिये एक अच्छा नागरिक बने। छत्रपति शिवाजी महाराज की गिनती महान योद्धाओं में की जाती है। हर वर्ष 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई जाती है। इस अवसर पर दिल्लीवार समाज के महामंत्री अशोक कुमार देशमुख, हीरालाल दिल्लीवार, रामसाय देशमुख, युवराज देशमुख, जितेंद्र देशमुख, परसराम देशमुख, कमल किशोर देशमुख, श्रीराम देशमुख, पोषण देशमुख, दिनेश देशमुख, रुक्मण देशमुख, पुनाराम देशमुख, पुरेंद्र देशमुख, चंदू देशमुख, नंदकुमार देशमुख, अंकालू देशमुख, नंदू देशमुख, महेश्वर देशमुख, बिट्टू देशमुख, रविंद्र देशमुख, दौआराम देशमुख आदि मौजूद थे।

आज भी होती है शिवाजी की कुशल रणनीति और युद्ध कौशल की चर्चा

अंडा। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत चिंगरी में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती मनाई गई। उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके द्वारा किए गए कार्य और उनकी कुशल रणनीति और युद्ध कौशल की चर्चा आज भी होती है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी, 1630 को हुआ था। उनके पिता का नाम शाहजी भोंसले था। उनके पिता बीजापुर में एक मराठा सेनापति थे। उनकी माता का नाम जीजाबाई थीं। कम उम्र में ही उन्होंने अपनी वीरता का परिचय तोरणा के किले पर अपना अधिकार करके दिखा दिया था। इस समय वे एक किशोर थे और उनकी उम्र मात्र 16 वर्ष की थी। इतनी कम उम्र में भी वीरता का परिचय देकर जीत हासिल की। इस तरह वीरता और नेतृत्व के दम पर उन्होंने मराठा साम्राज्य की स्थापना की। इस दिन को हर वर्ष छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पा वाघमारे, नवनिर्वाचित जनपद सदस्य बेला यादव, पूर्व सरपंच पुष्पा देवी देशमुख, डॉ. केएल दिल्लीवार, मालिक राम साहू, बेदनाथ भारद्वाज, सुरेन्द्र हरदेल, राजेन्द्र देशमुख, बुद्धेश्वर देशमुख, बाला राम देशमुख, पोषण साहू, छन्नू साहू, विश्राम दिल्लीवार, सचिन देशमुख, अलख राम साहू, पुरूषोत्तम पटेल, तामेश दिल्लीवार, राजेश देशमुख पंच, लक्ष्मण यादव, पंकज देशमुख सहित ग्राम चिंगरी के देशमुख समाज ने बड़े ही धूमधाम से छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती मनाई।

सूत समाज सत्य के मार्ग पर चलने वाले समाज का सारथी है : विधायक कोर्सेवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग ग्रामीण क्षेत्रीय महासभा सूत सारथी समाज जामुल द्वारा ग्राम खपरी कुटेला भाठा में रविवार को सुमंत महाराज जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अहिवारा विधायक राज महंत डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, नव निर्वाचित खपरी सरपंच भोजेश्वरी घनश्याम साहू थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्ग जिला सूत सारथी समाज अध्यक्ष विक्रम सेंगर ने किया। विशेष अतिथि दुर्ग जिला सचिव त्रिलोक सारथी, भाजपा मंडल जेवरा-सिरसा अध्यक्ष घनश्याम साहू रहे।

- खपरी में सुमंत जयंती समारोह आयोजित

कार्यक्रम का शुभारंभ सुमंत जी महाराज की पूजा-अर्चना कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज महंत डोमन लाल कोर्सेवाड़ा एवं उपस्थित अतिथियों ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री कोर्सेवाड़ा ने कहा कि सूत समाज सत्य के मार्ग पर चलने वाले समाज के सारथी हैं। जैसे की महाराजा दशरथ जो श्रीराम के पिता थे जिनका सुमंत महाराज सलाहकार व मंत्री एवं सारथी रहे। जिनके पद चिन्हों पर आज भी सारथी समाज चल रहे हैं। कार्यक्रम को खपरी के नव निर्वाचित सरपंच भोजेश्वरी घनश्याम साहू एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष घनश्याम साहू ने भी संबोधित किया। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात समाज के उत्साही बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व रिकार्डिंग डांस की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन दीपक पटेल एवं आभार प्रदर्शन दुर्ग जिला-ग्रामीण सूत सारथी समाज अध्यक्ष अनिल सारथी ने किया। कार्यक्रम में सूत सारथी समाज दुर्ग ग्रामीण महासभा क्षेत्र के सामाजिक स्वजातीय गण के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम लाल विश्वकर्मा, सुखी राम धनकर, रविशंकर सारथी, सुनिल सारथी, आशा राम सारथी, यशवंत सारथी एवं टिकेश्वर सारथी सहित सारथी समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समाज हित के कार्यों को गति देने व जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का सदैव प्रयास करें: विधायक चंद्राकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

रविवार को दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में पाटन ब्लॉक के भाजपा अधिकृत नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों और जनपद सदस्यों ने पंचायत चुनाव जिला प्रभारी विधायक ललित चंद्राकर और दुर्ग भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक व निवर्तमान जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा से आत्मीय भेंट की। सभी नवनिर्वाचित पंचायत जनप्रतिनिधियों का जिला भाजपा कार्यालय में विधायक ललित चंद्राकर व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, पूर्व जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने स्वागत किया। पंचायत चुनाव जिला प्रभारी ललित चंद्राकर ने कहा कि जनता के विश्वास और आशीर्वाद से नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का यह नया सफर क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के प्रति समर्पित रहे। सभी के साथ मिलकर समाज हित के कार्यों को गति देने और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करें। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने कहा कि नगरीय निकाय के बाद पंचायतों में भी ट्रिपल इंजन की सरकार बनने जा रही है। निवर्तमान जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि पाटन जैसे राजनीतिक रूप से जागरूक ब्लॉक से भारतीय जनता पार्टी के जनपद और जिला पंचायत सदस्य बड़ी संख्या में जीत कर आए हैं यह एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं मुलाकात करने वालों में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 10 से नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य नीलम राजेश चंद्राकर, जनपद पंचायत पाटन क्षेत्र नवनिर्वाचित जनपद सदस्य क्रमांक 1 कस्तूरी बंजारे, क्रमांक 2 कीर्ति नायक, क्रमांक 3 प्रणव शर्मा, क्रमांक 7 संतोष ठाकुर, क्रमांक 13 राम यूमरे छेदईया, क्रमांक 17 भावना निषाद, क्रमांक 21 भास्कर वर्मा, क्रमांक 22 रामकुमार चंद्राकर, क्रमांक 23 खेमलाल देशलहरे, क्रमांक 25 रवि सिन्हा ने आशीर्वाद लिया।

कर्म आधारित है आत्मा को परमात्मा बनाने का रास्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

तीर्थंकर परमात्मा भगवान मल्लीनाथ जैन मंदिर जामगांव आर में 31 वां ध्वजारोहण समारोह वार्षिक उत्सव का आयोजन रविवार को हुआ। विधिकारक सुनील बुरड़ दल्लीराजहरा के मार्गदर्शन में जिनकुशल श्री महिला मंडल दल्लीराजहरा की टीम शांति बुरड़, सरला बुरड़, संगीता लूनिया, भारती लूनिया, शोभा चौरड़िया ने ससंगित सत्रह भेदी पूजा और ध्वजारोहण भव्यता के साथ विधि विधान से कराया। सत्रह भेदी पूजा के पहले स्नात्र पूजा केसर पूजा ब्रास पूजा भक्तों ने किया। ध्वजारोहण समारोह के लाभार्थी लक्ष्मी देवी, मनीष, आशीष, नीतिश बैद जामगांव आर थे। परमात्मा की मूर्ति श्रृंगार के लिए कचरी देवी, स्व गंभीरमल गोलछा बिलासपुर के द्वारा हार भेंट किया गया। ध्वजारोहण पश्चात जैन भवन जामगांव आर में बहुमान समारोह आयोजित कर अतिथि देवों भवः के तर्ज में विधिकारक और महिला मंडल का बहुमान किया गया। ध्वजारोहण समारोह में प्रेमचंद, सुनीता रानी चौरड़िया, शीतल जैन, सौरभ राठी, विनोद राठी सहित मूर्तिपूजक जैन श्री संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

- भगवान मल्लीनाथ जैन मंदिर जामगांव आर में 31 वां ध्वजारोहण समारोह

गलत कर्म करके अच्छा फल चाहना बेइमानी है

विधिकारक सुनील बुरड़ ने कहा कि दुर्लभ मानव जीवन आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए शानदार प्लेट फार्म है। आत्मा को परमात्मा बनाने का रास्ता कर्म आधारित है कर्म अच्छा करोगे तभी अच्छा फल मिलेगा। गलत कर्म करके अच्छे फल की इच्छा रखना बेमानी है। उन्होंने कहा कि जीवन में तन और मन मिला है इसे धन की अंधी दौड़ में दौड़ाओगे तो भटकते रह जाओगे और तन मन को धर्म का सानिध्य मिल गया तो जीवन निहाल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर भगवान मल्लीनाथ अद्वितीय है जिन्होंने स्त्री पर्याय से आत्मा को परमात्मा बनाए ऐसे परमात्मा का ध्वजारोहण कराने का सौभाग्य मिलना पुण्य की बात है।

भ्रम में नहीं रहे

बहुमान समारोह में कोकिलकन्ठी शांति बुरड़ ने कहा कि हंस हंस कर्म बांधने वालों को संभलना चाहिए क्योंकि जब कर्मफल उदित होगा तब रो रोकर छुटना पड़ेगा। जैन श्री संघ अध्यक्ष बहुमान समारोह में अतिथियों का बहुमान लक्ष्मी देवी, श्वेता, रेखा, मनीष बैद, गोवर्धन चंद कोचर, भारती कोचर, सुरेश, सुशीला जैन, चंद्र कैलाश, ममता बैद, आसकरण, निर्मला गोलछा ने किया। 19 वे भगवान मल्लीनाथ मंदिर जामगांव आर के 31वा वार्षिक उत्सव के पावन अवसर भक्ति संध्या का आयोजन हुआ।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स को ग्राहकों का मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

भिलाई। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार सदन के सामने शॉप नंबर 64बी में स्थित ओम ज्वेलर्स दुर्ग अपने ग्राहकों के हितों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जहां आपको मिलता है भारत सरकार द्वारा huid पास टोटल हॉलमार्क के गहनों का विशाल रेंज उपलब्ध है। जिसमें नये व पुराने ग्राहकों को 100 प्रतिशत संतुष्टी निश्चित होकर गहने खरीद सकते हैं। साथ ही गहनों मे टूट फुट की 2 साल की रिपेरिंग फ्री की सुविधा उपलब्ध है। मनपसंद कलात्मक ज़ेवर, ग्राहकों के रुपयों के अनुरूप कम कीमत से ज्यादा क़ीमत पर एक से एक नई नई डिजाइन उपलब्ध रहता है, दिवाली व शादी विवाह के सीजन को देखते हुए लाइट वेट से अधिकतम वेट की ज्वेलरी में सोने के नेकलेस, झुमका, बाली, एरिंग टॉप्स, रानी हार, चोकर.चांदी में पायल कमरबंद, बाजूबंद बिछिया, ऑल सोने चांदी की एक से बढ़कर एक वैरायटियों का नई-नई डिजाइन का विशाल रेंज उपलब्ध है। वहीं दूल्हे दुल्हन के लिए खास टूर बैग, इम्पोर्टेन्ट वॉच, जितना सोना उतना चांदी फ्री ग्राहकों की तत्काल गिफ्ट दिया जाता है। क़ीमत भी सबसे कम चीप दर पर गहने प्रदान किया जा रहा है और भी विशेषताएं प्रदान की जाती है। जैसे अपने पुराने सोने को नये जैसे बनाए वो भी बिना नुकसान के बिना वजन कम हुए तत्काल, पुराने सोने चांदी की 100 प्रतिशत मूल्यों के साथ वापसी, पुराने सोने-चांदी का तत्काल रिपेरिंग, मंगलसूत्र गुथायी 0 चार्जेबल पर, किसी भी गोल्ड के गहने पर 100 प्रतिशत वापसी, हमारी संस्थान में किसी भी प्रकार के गहने, जेवरों का पेमेंट घर से करने की सुविधा उपलब्ध, सभी प्रकार की चेक स्वीकार किए जाते हैं, आल एटीएम, डेबिट, क्रेडिट कार्ड स्वीकार किये जाते हैं, भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 916.(22c)833(20c)750(18c)टोटल हॉलमार्क की गहने की भरपूर रेंज उपलब्ध, हर दस हजार की खरीदी पर चांदी की मूर्ति फ्री, हमारी संस्थान ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी व गुणवत्ता की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अतुल ने लिया डेरा व्यास के प्रमुख का आशीर्वाद

भिलाई। भिलाई केन्दू पर्वत के अध्यक्ष ने बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों राधा स्वामी सत्संग ब्यास पहुंचकर आध्यात्मिक प्रमुख राधा स्वामी सत्संग व्यास के डेरा प्रमुख बाबा से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में बना कोसा का अंग वस्त्र पहनाकर आशीर्वाद प्राप्त किया और सत्संग में भाग लिया। साथ ही बाबा के साथ राधा स्वामी सत्संग ब्यास का दौरा किया और वहां पर आधुनिक मेगा रसोई का भी दर्शन किया जहां सैकड़ों लोग 5 लाख से ज्यादा लोगों के लिए स्वस्थ व स्वच्छ भोजन बनाते हैं। अतुल पर्वत ने कहा कि गुरुओं का आशीर्वाद सदैव प्रदेश और आम जनता के लिए लगन के साथ काम करने की ऊर्जा देता है।

धमधा कॉलेज में प्रेमचंद के मानवीय जीवन मूल्यों पर हुआ व्याख्यान

धमधा। चंदूलाल चंद्राकर शासकीय महाविद्यालय धमधा में सोमवार को हिंदी विभाग द्वारा आयोजित अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से 'प्रेमचंद चित्र विथिका प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. उषाकिरण अग्रवाल के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग की अतिथि शिक्षक सहायक शबीना द्वारा रिबन काटकर हुआ। छात्र-छात्राएं प्रेमचंद चित्र विथिका का अवलोकन करते हुए प्रेमचंद के विचारों से अवगत हुए। इस प्रदर्शनी का आयोजन महाविद्यालय के हिंदी विभाग के कॉरिडोर में किया गया। इस आयोजन में प्रति दिवस विद्यार्थियों को प्रेमचंद के मानवीय जीवन मूल्यों पर व्याख्यान का आयोजन किया जाना सुनिश्चित रहा।

HEALTH TOWN

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.

नाक,कान, गला विभाग
- सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
- ऑपरेशन द्वारा ईलाज
- नाक की प्लास्टिक सर्जरी

चक्कर की जॉंच
एलर्जी

Dental & Consmetic Treatments
- टेढ़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
- दांतो की नसों का इलाज
- दांतों की सफाई व चमकाना
- दंत प्रत्यारोपण
- मुंह के कम खुलने का इलाज

(Hearing Aids) सुनाई मशीन

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

पिकअप की ठोकर से बाइक सवार की मौत

भिलाई। बाइक से बोरसी जाने के लिए निकले युवक को पिकअप चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चालते हुए ठोकर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। चालक के खिलाफ पुलिस ने धारा 106 (1) के तहत जुर्म दर्ज किया है। कुम्हारी पुलिस ने बताया कि रायपुर निवासी बाइक 04 डीएन 7123 में नरेन्द्र कुमार साहू मामा जगलाल साहू के घर ग्राम बोरसी जाने के लिए निकला था। मामा जगलाल साहू फोन कर सूचना दिया की ग्राम बोरसी में बाडी के पास नरेन्द्र कुमार साहू के साथ हादसा हो गया। परिजन जब कुम्हारी पहुंचे तो जानकारी हुई कि नरेन्द्र के शव को अस्पताल सुपेला भेजा गया है। पिकअप सीजी 07 सीआर 1730 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चालते हुए बाइक को ठोकर मारा था। हादसे में नरेन्द्र के सिर पर गहरी चोट आई थी। जिस से उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

अज्ञात वाहन की ठोकर से वृद्ध की मौत

भिलाई। अज्ञात वाहन की ठोकर से वृद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि सेक्टर 2 सड़क 5 निवासी दीनबंधु नंद 86 वर्ष का पंथी चौक रुआबांधा के पास सुबह अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। हादसे में दीनबंधु नंद की मौत हो गई। मृतक प्लेजर सीजी 07 एलटी 6503 सेक्टर 2 से बोरसी जाने के लिए निकला था। पंथी चोंक रुआबांधा के पास हादसे का शिकार हो गया। उसे गंभीर अवस्था में सेक्टर 9 अस्पताल उपचार के लिए भेजा गचा। जहां से रायपुर निजी अस्पताल में रेफर किया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस आसपास में लगे सीसी कैमरे को देखकर अज्ञात वाहन चालक के बारे में खोजबीन कर रही है। इसके अलावा अब तक दर्जनभर से अधिक सीसी कैमरों को खंगालने की जानकारी मिल रही है। जिस समय हादसा हुआ उस समय अज्ञात वाहन चालक काफी तेज रफ्तार में था।

शिव-पार्वती विवाह की मोहक झांकी ने भक्तों को किया भावविभोर

बम्लेश्वरी मंदिर सेक्टर 6 में म्यूजिकल ग्रुप कोरबा के जसगीत लीला व सुमधुर भजनों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बम्लेश्वरी मंदिर सेक्टर 6 में रविवार को रात भक्तिमय जसगीत लीला और सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से कलाकारों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। देर रात तक लोग भक्ति सागर में डूबे रहे। मां जगदंबा मंदिर के स्वर्ण प्रकटोत्सव के पावन पर्व पर यह भक्ति आयोजन लोगों के लिए यादगार रहा।

मंदिर परिसर में म्यूजिकल ग्रुप कोरबा और जबलपुर के भजन व जसगीत कलाकारों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। म्यूजिक ग्रुप के भजन गायक हरि दास ने कार्यक्रम की शुरुआत सुमधुर भजन गणेश भजन लेके आए हैं फूलों का हार से की। इसके बाद चुन चुन के फूलों के जसगीत से समां बांधा। छत्तीसगढ़ भजन पथरा के दाई हो पूरनमासी वरदानी पर श्रोता झूम उठे। इसके बाद मोनिका अग्रवाल और हीरा दास ने तूने मुझे बुलाया शेरा वाली ए और चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है जैसे भजनों से विभोर किया। ग्रुप के संचालक व कलाकार प्रहलाद अग्रवाल, हीरा भैया, सागर और माया दास व शिवशंकर ने वाद्य यंत्रों पर सुरीली संगत की। सात वर्षीय शिवाय ने हारमोनियम व तबला वादन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रद्धालु देर रात तक भजनों व जसगीत झांकी का आनंद लेते रहे।

राधा-कृष्ण के मयूर नृत्य ने किया विभोर

भजनों के बाद जबलपुर से आए पुनीत, राजा डांस ग्रुप के कलाकारों ने मोहक भक्तिमय नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति से समां बांधा। शिव पार्वती विवाह प्रसंग की नयनाभिराम झांकी देख लोग मुग्ध हो गए। बाजे गाजे के साथ कैलाश पर्वत से भभूत लगाए भगवान शिव के साथ नंदी, गणों और भूत पिशाचों को देख दर्शक झूम उठे। पुनीत ने पार्वती और राजा ने शिव का प्रभावी अभिनय किया। इसके बाद मोहक राधा कृष्ण के मयूर नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। पुनीत ने राधा व राजा ने कृष्ण का प्रभावी किरदार निभाया। भगवाव शिव के अघोरी नृत्य पर भी श्रद्धालू विभोर हुए। बाल कलाकार शिवाय ने मां दुर्गा की भूमिका निभाई। नन्हे कलाकार शिवाय के हारमोनियम वादन व अभिनय को सराहा गया।

सिर्फ 4 फर्नेसों से एक ही दिन में ही किया 18 हजार 37 टन हॉट मेटल उत्पादन

भिलाई संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस 8 ने तोड़ा सर्वकालिक रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी ने 8 में से सिर्फ चार ब्लास्ट फर्नेसों के सफल प्रचालन से शनिवार को एक ही दिन में 18,037 टन हॉट मेटल का उत्पादन कर एक नया सर्वकालिक कीर्तिमान स्थापित किया है। मात्र चार फर्नेसों के माध्यम से यह हॉट मेटल उत्पादन अब तक का सर्वाधिक दैनिक रिकॉर्ड उत्पादन है, जो बीएसपी के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ है।

यह उपलब्धि बीएसपी की समर्पित टीम की मेहनत, प्रतिबद्धता और उच्चतम दक्षता का परिणाम है। संयंत्र ने इस परिणाम को प्राप्त करने में न केवल अपने फर्नेसों के प्रचालन को कुशलतापूर्वक अनुकूलित किया, बल्कि रॉ मटेरियल के प्रबंधन में भी प्रभावशीलता और समन्वयन का सर्वोत्तम उदाहरण पेश किया है। इस सफलता में सम्बद्ध विभिन्न विभागों के बीच सामंजस्यपूर्ण सहयोग और प्रभावी प्रबंधन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए, बीएसपी के निदेशक प्रभारीअनिर्बान दासगुप्ता ने ब्लास्ट फर्नेस के साथ समस्त इस्पात बिरादरी को बधाई दी और आगामी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रदान की हैं। कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने इस उपलब्धि के लिए प्रयासरत रही टीम को संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस पहुंच कर बधाई दी। उन्होंने इस सफलता के लिए उत्पादन से संलग्न समस्त टीम को बधाई दी और फर्नेस के साथ-साथ सम्बद्ध सभी सहयोगी विभागों के कर्मचारियों की मेहनत, टीम भावना और समन्वय की सराहना की। उन्होंने फर्नेस टीम को बधाई देते हुए सारगर्भित तरीके से कहा कि यह सफलता भिलाई इस्पात संयंत्र के सभी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। हमें आगे भी भविष्य में निर्धारित मापित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इसी तरह के समर्पण और समन्वय से उपलब्धियाँ हासिल करनी हैं, और वह भी सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए। उन्होंने कहा कि उत्पादन और श्रेष्ठ निष्पादन जरुरी है पर इससे ज्यादा जरुरी सुरक्षा हैं। संयंत्र में हर टन उत्पादन पूरी सुरक्षा के साथ हों। उन्होंने कहा कि इस सफलता से यह स्पष्ट होता है कि भिलाई इस्पात संयंत्र अपने उत्पादन में निरंतर वृद्धि के साथ-साथ सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों में भी सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इस सफलता से संयंत्र का समग्र प्रदर्शन और अधिक सशक्त हुआ है।

बेहतर समन्वय और कौशल से बीएफ में बना कीर्तिमान

उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने किया जा रहा प्रयास

भिलाई इस्पात संयंत्र ने हमेशा अपने उत्पादन के स्तर को बढ़ाने और तकनीकी दृष्टिकोण से लगातार उन्नति करने का प्रयास किया है। संयंत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस सफलता के लिए अपनी प्रतिबद्धता और मेहनत को दिखाया है। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। संयंत्र की इस तरह की लगातार सफलता इस बात का द्योतक है कि भिलाई इस्पात संयंत्र भविष्य में भी उत्पादन और गुणवत्ता के मामले में नए मानदंड स्थापित करने के लिए तैयार है।

नया रिकार्ड बनाया

सिर्फ चार फर्नेसों के प्रचालन करते हुए एक दिन में 18,037 टन हाट मेंटल का उत्पादन इस्पात उद्योग में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हैं। यह भिलाई ने पहली बार हासिल करते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाया है। सेल और भिलाई के लिए यह मील का पत्थर भिलाई इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दिखाता है, जिसमें न केवल उत्पादन क्षमता का विस्तार किया गया है, बल्कि हर कदम पर उत्कृष्टता, सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों को भी प्राथमिकता दी गई है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ भिलाई इस्पात संयंत्र ने यह साबित कर दिया है कि वह अपने सामर्थ्य, तकनीकी दक्षता और समर्पण के साथ देश की इस्पात उद्योग में अग्रणी बने रहते हुए अपनी मापित क्षमता को भी हासिल कर लेगा।

जोहार चौक पर लगेगी ग्रीन घास व बंद फाउंटेन की होगी मरम्मत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- चौराहे का सौन्दर्यीकरण करने मौके पर रिसाली आयुक्त ने बनाया प्लान

रिसाली जोहार चौक के आस पास को संवारने आयुक्त मोनिका वर्मा ने प्लान तैयार किया है। उन्होंने मौक पर अधिकारियों से 2 घंटे से भी अधिक समय तक चर्चा की। आयुक्त ने धूल उड़ रहें जगहों पर घास लगाने और बंद पड़े फाउंटेन को मरम्मत कर चालू करने के निर्देश दिए है। आयुक्त ने इस कार्य के लिए समय सीमा निर्धारित कर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

रिसाली के प्रवेश द्वार को सुंदर और व्यवस्थित करने। आयुक्त मोनिका वर्मा आस पास के क्षेत्र का निरीक्षण की। उन्होंने कहा कि जोहार चौक न केवल व्यापारिक क्षेत्र है, बल्कि मुख्य मार्ग भी ही। आस पास को व्यवस्थित करने से भव्यता आएगी। उन्होंने रिसाली निगम द्वारा बनाए जोहार चौक के अंदर ग्रीन घास लगाने के अलावा शहीद स्मारक में बने फाउंटेन को मरम्मत के बाद चालू कराने निर्देश दिए। साथ है छत्तीसगढ़ महतारी प्रतिमा स्थल पर पेवर ब्लॉक लगाने निर्देश दिए।

अतिक्रमण हटाने का निर्देश

जोहार चौक के निकट खटाल संचालित है। आयुक्त ने गोबर एकत्रित देख नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने खटाल संचालक को दोबारा गंदगी न फैलाने की चेतावनी दी। साथ ही मंदिर के पीछे हुए अतिक्रमण को हटाने कहा।

अलग-अलग एजेंसी को दे काम

आयुक्त मोनिका ने कहा है कि अधिकारी कार्य को गंभीरता से कराए। एक एजेंसी से कार्य कराने से विलंब होगा। इसलिए कार्य को अलग अलग एजेंसी से कराए। कार्य को बेहतर तरीके से और गुणवत्ता पर ध्यान दे। वहीं आयुक्त ने इस दौरान निर्देश दिए कि रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था करे। अगर कोई जबरदस्ती ठेले या फिर गुमटी लगता है तो अधिकारी उसके साथ सख्ती से पेश आए। उन्होंने चौक के क्षेत्र में किसी तरह के विज्ञापन लगाने पर भी प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए।

काम के दबाव में कर्मियों की सुरक्षा की न करें अनदेखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी वर्कर्स यूनियन ने भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन से कर्मचारियों और ठेका मजदूरों की सुरक्षा और वेलफेयर संबंधी समस्याओं के निदान की मांग की है। संयंत्र में कर्मियों से जुड़ी परेशानियों का निपटान करने पर जोर दिया है।

- बीडब्ल्यू ने कर्मचारियों की सुरक्षा एवं वेलफेयर पर विस्तार से हुई चर्चा

बीएसपी के कार्य पालक निदेशक राकेश कुमार के साथ यूनियन के अध्यक्ष उज्जवल दत्ता के नेतृत्व में यूनियन पदाधिकारियों की हुई बैठक में मांगों पर चर्चा हुआ। बैठक यूनियन अध्यक्ष उज्जवल दत्ता के नेतृत्व में हुई । नियमित वठेका श्रमिक की सुरक्षा एवं वेलफेयर मुद्दों की ओर ध्यानाकर्षित किया गया ।दत्ता ने बताया कि प्लांट के अंदर काम करने वाले बीएसपी एवं ठेका श्रमिकों के सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने एवं कार्य की जगह तथा प्रकृति के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए । विभागीय प्रबंधन कार्य के दबाब में कर्मचारियों की सुरक्षा को अनदेखा कर असुरक्षित तरीके से कार्य करवाने में विश्वास करते हैं । विभिन्न विभागों में अधिकतर जगहों पर टूटे-फूटे टॉयलेट हैं महिला कर्मचारियों के लिए टॉयलेट का अभाव तथा अधिकतर जगहों पर पानी का वेस्टेज से कर्मियों को परेशानी हो रही है। कर्मचारी रात्रि विभिन्न पालियों में कार्य करते हुए सुकून से कुछ पल रेस्ट लेना चाहें तो ऐसी जगह नहीं है ।

ईडी ने दिलाया भरोसा

यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि बायोमेट्रिक लगने के बाद विभिन्न गेटों में गैलरी सकरी होने के कारण आने-जाने में असुविधा हो रही है । आपस में गाड़ियां टकराने से जाम और दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। मांग किया कि कर्मचारियों के लिए प्लांट के अंदर कार्य करने की जगह पर सुरक्षित वातावरण बनाया जाए। हाउसकीपिंग पर ध्यान नहीं दिए जान से कर्मियों की दिक्कतें बढ़ रही हैं। कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने आश्वस्त किया कि कर्मचारियों की सुरक्षा प्रबंधन की पहली प्राथमिकता है। मांगों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा।

ट्विनसिटी में भारत-पाक मैच का रोमांच ...

भिलाई। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच का जादू पूरी दुनिया पर सर चढ़कर बोल रहा है। रविवार की शाम भिलाई-दुर्ग में सड़कें सूनी हो गई। क्योंकि हर परिवार टीवी के सामने जमे रहे। मोबाइल और टैब के माध्यम से भी लोगों ने इस मैच को देखने में जुटे रहे ।जब तक पाकिस्तान बल्लेबाज़ी कर रहा था तब भी लोग टीवी, टैब या मोबाइल के स्क्रीन पर थे। लेकिन जैसे ही भारत की बैटिंग शुरू हुई लोग घर से बाहर ही नहीं निकले और टीवी ऑन हो गए। अब भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में चैम्पियंस ट्रॉफी के इस लीग मैच को करोड़ों लोग सेट्स पर देखे। खास बात यह है कि जिस तरह से पाकिस्तान ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी की और 242 रन का टारगेट भारत को दिया। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने शानदार बल्लेबाजी की शुरूआत की लेकिन रोहित के विकेट गिरने के बाद रन गति को लेकर चिंता शुरू हो गई। 100 रन के स्कोर पर भारत का दूसरा विकेट शुभमन गिल के रूप में गिरा। इस तरह भारत और पाकिस्तान के मैच में रोमांच की स्थिति बनी रही। जिसकी वजह से लोग पूरे समय मैच देखने में डटे रहे। आखिरकार विराट कोहली और श्रेयर अय्यर की साझेदारी से भारत को जीत मिली। जीत के बाद ट्विनसिटी में जमकर पटाखे फोड़े गए और जश्न मनाया गया।

सेवानिवृत्त अधिकारियों के 11 माह के पर्क्स एरियर्स का भुगतान प्रारंभ, कट आफ डेट न हो: बंछोर

सेफी अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश से की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सेफी के प्रतिनिधि मंडल ने सेफी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर के नेतृत्व में सेल के सेवानिवृत अधिकारियों के 11 माह के पर्क्स एरियर्स के शीघ्र भुगतान की मांग सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश और डायरेक्टर फाइनेंस एके तुलसियानी, डायरेक्टर केके सिंह से की है।

श्री बंछोर ने बताया कि सेवानिवृत अधिकारियों के 11 माह के पर्क्स के एरियर्स का शीघ्र भुगतान के लिए प्रक्रिया प्रारंभ करने का दिशानिर्देश सभी इकाईयों को दिया है और भुगतान हेतु सभी तैयारी की जा रही है एवं चरणबद्ध तरीके से 11 माह के पर्क्स के एरियर्स का भुगतान प्रारंभ होने जा रहा है। आज बीएसपी से सेवानिवृत्त हुए 30 अधिकारियों का 11 माह के पर्क्स एरियर्स का भुगतान किया गया।

सेल के विभिन्न इकाइयों के कार्मिक एवं वित्त विभाग ने 11 माह के पर्क्स एरियर्स के चरणबद्ध भुगतान हेतु तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सेल कॉरपोरेट आफिस नई दिल्ली द्वारा सेल के सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए 11 माह के पर्क्स के भुगतान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश जारी किया गया था। जिन सेवानिवृत्त अधिकारियों ने 11 माह के पर्क्स के भुगतान हेतु दावा प्रपत्र भरकर सेल वेबसाइट पर अपलोड किया था उनके दस्तावेजों का कार्मिक विभाग द्वारा निरीक्षण करने के बाद इसे वित्त विभाग में भुगतान हेतु अग्रेषित करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गयी है।

सेफी चेयरमेन श्री बंछोर ने सेल प्रबंधन से मांग की है कि वर्तमान में बहुत सारे अधिकारी विभिन्न कारणों से 11 माह के पर्क्स एरियर्स के भुगतान के लिए दावा प्रपत्र नहीं जमा कर पा रहे हैं, इन परिस्थितियों में इस दावा प्रपत्र भरने हेतु कोई भी कट ऑफ डेट नहीं दिया जाना चाहिए । प्रतिनिधि मंडल में सेफी महासचिव संजय आर्या, सेफी वाइस चेयरमेन नरेन्द्र सिंह व सेफी उपमहासचिव आर सतीश शामिल थे।

सेवानिवृत्त अधिकारियों को मिली राहत

भिलाई इस्पात संयंत्र के सेवानिवृत्त अधिकारियों के लंबित पर्क्स पर एरियर्स का भुगतान शुरू होने से हर्ष का माहौल है। बीएसपी ओए द्वारा इस लंबित मांग के लिए लंबे समय से संघर्ष किया गया। एरियर्स के भुगतान से अधिकारी वर्ग में एक अच्छा संदेश गया है। इसे ओए की अच्छी पहल बताए हैं।

आम सभा में उमड़ी भीड़, यूनियन ने दिखाई ताकत

कर्मचारियों के जनाक्रोश को समझे प्रबंधन: बीएकेएस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

इंजीनियर्स भवन में आयोजित आमसभा में बीएसपी अनाधिशासी कर्मचारी संघ के सदस्यो ने अपनी उपस्थिति दिखाकर , शक्ति प्रदर्शन का इजहार किया । कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़े वरिष्ठ कर्मचारियों सहित युवा कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया । कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्षीय भाषण से अमर सिंह ने किया । वही महासचिव अभिषेक सिंह ने मंच सचालन किया । कोषाध्यक्ष नवीन कुमार मिश्रा ने यूनियन का लेखा जोखा को सभी सदस्यो के समक्ष रखा । वक्ताओ ने अपने संबोधन में वेज रीविजन मे प्रबंधन और एनजेसीएस नेताओं द्वारा की गई धांधली से लड़ने हेतु प्रण लिया । भिलाई इस्पात संयंत्र में यूनियन चुनाव में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त किया । बोनस फॉर्मुला में धांधली, बेतुका पदनाम, छुट्टी मे असमानता, दो दशक से अटका इंसेंटीव रिवार्ड, वरिष्ठ कर्मचारियों को स्टैगेनेशन इंक्रिमेंट की सुविधा, हाउस पर्क्युजीट पर आयकर छुट, फर्निचर एडवांश की सुविधा, लैपटॉप एडवांश की सुविधा, लॉंग सर्विस अवार्ड के रुप में स्वर्ण सिक्का आदि मुद्दो को हल कराने पर सदस्यो तथा पदाधिकारियों ने विचार विमर्श किया । अध्यक्ष अमर सिंह ने यूनियन द्वारा वेज रीविजन मुद्दे पर किए गए मुकदमे की प्रगति पर प्रकाश डाला तथा हर हाल में मुकदमा जीतने की इच्छाशक्ति को दर्शाया । महासचिव अभिषेक सिंह ने यूनियन चुनाव में बाकि प्रबंधन परस्त यूनियनो को सबक सिखाने का आह्वाहन किया । उपाध्यक्ष उमाकांत कन्हाई ने एक समान छुट्टियों के मुद्दे को उठाया । उप महासचिव नवीन ध्रुव ने पदनाम में संशोधन का वकालत किया तो कोषाध्यक्ष नवीन मिश्रा ने इंसेंटीव रिवार्ड के फॉर्मुले मे संशोधन हेतु यूनियन द्वारा उठाए गए कदम के बारे मे बताया ।

सभा मे विशेष आमंत्रित सदस्य के रुप में बीएकेएस अध्यक्ष हरिओम ने एकजुटता , आंदोलन, पत्राचार तथा न्यायालय के माध्यम से अपना हक लेने का रास्ता दिखाया । बोकारो बीएकेएस महासचिव दिलीप ने एकजुटता पर बल दिया ।सभा को जेपी धुरंधर, प्रवीण चापले, निशांत सुर्यवंशी, अनिरुद्ध दास, लोकेश दुबे, सुनील शर्मा आदि ने संबोधित कर यूनियन की एकजुटता पर बल दिया।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, सोमवार 24 फरवरी 2025
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
74154-69100, Message at - 9755819129

बम्लेश्वरी मंदिर सेक्टर-6 में बही भक्ति की बयार, जुटे श्रद्धालु

सिटी इवेंट

बुद्ध भूमि कोसानगर को दान में मिली 70 कुर्सियां, किया अभिनंदन

भिलाई। बुद्ध भूमि कोसा नगर में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान इस सामाजिक स्थल को 70 कुर्सियों के दान को विशेष रूप से रेखांकित किया और वहीं सभी दानदाताओं का सम्मान किया गया। इस दौरान समाजसेवी अशोक धवले भी विशेष रुप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर सामूहिक त्रिशरण पंचशील का पाठ किया गया। बौद्ध कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शेन्डे ने अपनी समिति के सदस्यों के साथ मिलकर पंचशील का दुपट्टा पहना कर और पुष्प गुच्छ भेंट कर अशोक धवले का अभिनंदन किया। भिमाई महिला मंडल अध्यक्ष दानशीला रामटेके ने अपनी समिति के सदस्यों के साथ सभी कुर्सी दानदाताओं का सम्मान किया। इनमें कुंदा अशोक धवले 25 चेयर, प्रेरणा उदय धाबर्डे 25 चेयर, स्नेह लता रंगारी 10 चेयर और शालिनी पुनाराम कांबले 10 चेयर दानदाताओं को पंचशील का दुपट्टा पहना कर और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजन में बौद्ध कल्याण समिति के संस्थापक सदस्य नेक राम रामटेके, दिग्विजय मेश्राम , राजकुमार मेश्राम तथा डॉ उदय धाबर्डे की गरिमामय उपस्थिति रही। बुद्ध भूमि कोसा नगर में लगातार कार्यक्रम कर लोगों को संगठित करने तथा बुद्ध भूमि के विकास एवं संरक्षण के लिए एक साथ मिलकर कार्य करने की नीति पर भी चर्चा हुई। आभार प्रदर्शन बौद्ध कल्याण समिति कोसा नगर के अध्यक्ष नरेंद्र शेन्डे ने किया। इस अवसर पर बौद्ध कल्याण समिति के सदस्य ज्ञानचंद टेंभुर्णीकर, रंजू खोब्रागड़े, प्रीतेश पाटील, गीतेश्वरी रामटेके ,कोमल चंद्रिकापुरे, मंजूषा मेश्राम, सरिता चंद्रिकापुरे, विनीता भालेकर, मंगल रामटेके ,आशा सुखदेवे और माया ताई सुखदेवे सहित अन्य सामाजिक जन उपस्थित थे।

● मंदिरों में शिव-पार्वती परिणय की तैयारी शुरु, रात 1 बजे प्रथम आरती, महादेव की विशेष पूजा अर्चना

महाशिवरात्रि पर वैदिक पद्धति से होंगे अनुष्ठान, चारों पहर भोलेनाथ का होगा विशेष श्रृंगार, मंदिरों में हो रहा रंग-रोगन, चल रही तैयारी

शिव महादेव के पूजन का विशेष पर्व महाशिवरात्रि 26 मार्च को सर्वार्थ सिद्धि योग में धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसके लिए ट्विनसिटी के सभी प्राचीन व नए मंदिरों में महादेव और माता पार्वती के विवाह को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। मंदिर प्रबंधन द्वारा विवाह की रूपरेखा बनाने के बाद अब रंग-रोगन का काम अपने अंतिम चरण पर है। इस बार भी भक्तों को महादेव की बारात में भूत- पिशाच, नंदी महाराज और शिव भगवान का रूप धरे भक्तों की झांकी देखने को मिलेगी। प्रदेश के विभिन्न शिव भक्त अनेक आयोजनों में प्रस्तुति देंगे। सामाजिक संस्थाएं भी इस बार मंदिर से ढोल-नगाड़े के साथ बारात निकालेगी।

भिलाई। बैकुंठ धाम, जलकंठेश्वर मंदिर सेक्टर 6, नीलकंठेश्वर मंदिर, शिवधाम सेक्टर 7, मनोकामेश्वर मंदिर सेक्टर 9, भेलवा तालाब नेहरु नगर सहित शिवधाम कोड़िया स्थित महादेव मंदिर में भव्य आयोजन किया जा रहा है। यहां अनेक मंदिरों में 25 मार्च की रात से 27 मार्च सुबह तक धार्मिक अनुष्ठान व महाभंडारे के आयोजन होंगे। मंदिरों में रात्रि में निशीथ काल में विशेष पूजा की जाएगी। रात के चार पहरों में महादेव का अभिषेक किया जाएगा। 26 मार्च की शाम से मंदिरों में जागरण होगा। महाशिवरात्रि की तिथि प्रारंभ होते ही भजन-कीर्तन प्रारंभ होगा।

उज्जैन की तर्ज पर वैदिक काल की परंपरा का अनुसरण

बोलबम सेवा एवं कल्याण समिति के तत्वावधान में महाशिवरात्रि को लेकर तैयार शुरू हो चुकी है। आयोजनकर्ता दया सिंह ने बताया कि 26 मार्च को इंदिरा नगर हथखोज स्थित शिवमंदिर में सुबह से महादेव का श्रृंगार करने के बाद महाआरती होगी। यहां से पूजा अनुष्ठान के बाद बाबा की बारात वृहद रुप से निकाली जाएगी। इस दौरान भक्तों के लिए मंदिर में प्रवेश द्वार खुला रहेगा। इसके बाद सुबह व रात को आरती होगी। दोपहर को गाजे-बाजे के साथ मंदिर से शोभायात्रा व बाबा की बारात निकलेगी, जो आस-पास के क्षेत्रों का भ्रमण कर खुर्सीपार में आयोजन स्थल पहुंचेगी। इस दौरान बारात में परंपरा अनुसार भूत-पिशाच के रूप में शिव भक्त शामिल होंगे। वैदिक काल के अनुसार महादेव और माता पार्वती का विवाह होगा और महाआरती होगी, जिसके बाद शिव व पार्वती का विवाह पंडित द्वारा संपन्न कराया जाएगा। इसके बाद रात को भव्य श्रृंगार के साथ महाआरती होगी।

जलाभिषेक की विशेष व्यवस्था

कैंप क्षेत्र संतोषी पारा स्थित कैंपेश्वर बैजनाथ धाम मंदिर में महाशिवरात्रि पर दिन भर धार्मिक अनुष्ठान होंगे। मंदिर समिति की संरक्षक शैलेजा राजू ने जानकारी देते हुए बताया, कि रात 8 बजे महाआरती के बाद रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक मंदिर में वैदिक मंत्रों के साथ अभिषेक पूजा होगी। मंदिर में महाशिवरात्रि के दिन भगवान के दर्शन और जलाभिषेक करने विशेष व्यवस्था की जा रही है ताकि भक्तों को ज्यादा समय तक लाइन में खड़े न होना पड़े।

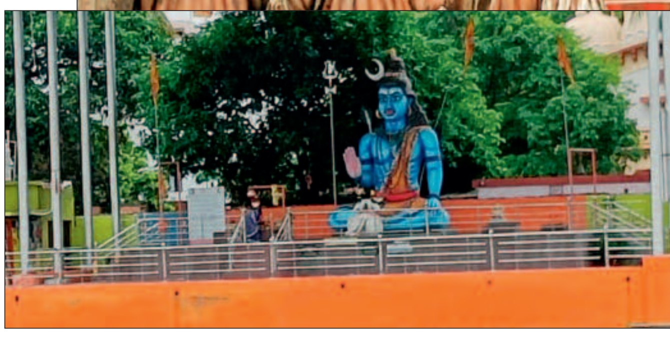

झांकियों में दिखेंगे शिव के विभिन्न रूप

सेक्टर 7 तालाब स्थित शिवधाम मंदिर के संरक्षक पार्षद लक्ष्मीपति राजू ने जानकारी देते हुए बताया कि यहां शंकर की विशाल प्रतिमा के साथ शिवलिंग की विशेष पूजा व सुबह से महारुद्राभिषेक किया जाएगा। महिला मंडली द्वारा भजन कीर्तन होंगे उसक बाद दोपहर 12 बजे प्रसाद का वितरण किया जाएगा। इस दिन आसपास क्षेत्र से गाजे-बाजे और झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी जो भ्रमण कर वापस मंदिर पहुंचेगी। झांकियों में शिव के विभिन्न रूप दिखेंगे।

मंत्रोच्चार से होगा भस्म अभिषेक व पूजा- अनुष्ठान

राज-राजेश्वरी मंदिर पावर हाउस व सेक्टर 4 मंदिर में महादेव की महा आरती से मंदिर पट भक्तों के लिए खोला जाएगा। मंदिर परिसर को विवाह भवन की तर्ज पर फूलों से सजाया जाएगा। मंदिर सदस्य ने बताया, सुबह 5 से 12 बजे तक भक्त दर्शन करेंगे। इसके बाद तीन घंटे महादेव का भव्य श्रृंगार होगा। रात 8 बजे महाआरती से पहले भस्म अभिषेक किया जाएगा। रात्रि में निशीथ काल में रात 11 बजे विशेष पूजा की जाएगी। रात के चार पहर में पंचामृत, पांच फलों के रस और अन्य द्रव्यों से अभिषेक-पूजा होगी। 27 मार्च को हवन में साथ अनुष्ठान को पूर्णाहुति दी जाएगी।

दूसरे राज्यों के कलाकार होंगे शामिल

बोलबम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा हथखोज व राज-राजेश्वरी मंदिर में भी महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन महादेव का रुद्राभिषेक होगा। 26 मार्च को उज्जैन की तर्ज पर बाबा की बारात निकलेगी, जिसमें दूसरे राज्यों के कलाकार शामिल होंगे। बारात में श्रद्धालु भूत-प्रेत, देवी- देवताओं का रूप धारण कर शामिल होंगे।

लाइव इवेंट

फूड फेस्टा में पारंपरिक व्यंजनों का लिया स्वाद, खेले गेम्स

भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में विज्ञान विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। फूड फेस्टा में विद्यार्थियों का उत्साह दिखाई दिया। फूड फेस्टा में विद्यार्थियों ने स्वादिष्ट विभिन्न प्रांतों के व्यंजन बनाए और प्रस्तुत किए। जिसमें चाट, गुपचुप, दक्षिण भारतीय, छत्तीसगढ़ी, गुजराती व्यंजन आकर्षण का केंद्र रहें। इस अवसर पर रोचक खेलों ने भी मनोरंजन किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आई पी मिश्रा ने आयोजित होने वाले इंटर कॉलेज एवं स्कूल मॉडल कांपिटीशन तथा फूड फेस्टा की शुरुआत की। विभिन्न कॉलेजों एवं स्कूलों से आए विधार्थियों को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि पढ़ाई के साथ साथ इस तरह की रचनात्मक गतिविधियां महत्वपूर्ण होती हैं।जो हमें जीवन में बहुत कुछ सिखाती हैं। इस तरह के आयोजन न केवल व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक हैं बल्कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल उद्देश्यों की भी पूर्ति करती है। इसलिए विधार्थियों को ऐसे अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। विभिन्न मॉडल्स की सराहना करते हुए कहा कि ये हमारी युवा पीढ़ी की वैज्ञानिक सोच को दर्शाती है।

■ श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में मॉडल और फूड स्पर्धा का आयोजन

फूड फेस्टा में छात्राओं की बड़ी संख्या में भागीदारी और प्रयासों को विशेष रूप से रेखांकित किया। मॉडल कंपटीशन में दुर्ग जिले के साथ ही आसपास के सुदूर इलाकों से भी विधार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी। स्वामी आत्मानंद स्कूल देवकर तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दौर के विधार्थियों की प्रस्तुति सराही गई। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण श्री गंगाजली शिक्षण समिति की प्रेसिडेंट जया मिश्रा ने किया। उन्होंने पुरस्कृत विधार्थियों को प्रमाणपत्र और पुरस्कार दिए।अपने संबोधन में उन्होंने बनाए गए मॉडल की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम तभी सफल होते हैं जब उसमें विधार्थियों की सक्रिय और बड़ी भागीदारी होती है। उन्होंने संस्था के विकास में विधार्थियों की भूमिका को महत्व पूर्ण बताए हुए पुरस्कृत विधार्थियों को शाबाशी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ पारख सहगल ने किया। आयोजन प्रभारी डॉ प्राची निमजे ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डायरेक्टर विकास डॉ सुशील चंद्र तिवारी, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ श्रुति तिवारी, पत्रकारिता विभाग के प्रमुख डॉ धनेश कुमार जोशी सहित प्राध्यापक,कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बढ़ी संख्या में उपस्थित थे।

शिवाजी जयंती पर कुनबी समाज के उत्कृष्ट लोगों को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

भिलाई। छत्र पति शिवाजी मित्र मण्डल के द्वारा स्वामी विवेकानंद गार्डन सेक्टर 1 भिलाई में शिवाजी जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल द्वारा समाज के प्रतिष्ठित लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सांसद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि बहुत साल पहले मराठी समाज के लोग महाराष्ट्र से चलकर आए और यहां पर बस गए। साथ ही छत्तीसगढ़ के रहन सहन को भी अपना लिया। भिलाई को मिनी भारत भी कहते हैं यहां सभी धर्म समाज के लोग एक साथ रहते हैं। अनेकता में एकता भिलाई में दिखाई देती है। कुनबी समाज हमेशा मुझे पारिवारिक कार्यक्रम में आमंत्रित करते हैं और बहुत पहले से ही मेरा कुनबी समाज से लगाव रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने सनातन की रक्षा के लिए एक एक पल एक एक क्षण भारत का मान सम्मान को वापस लाने में लगे रहे। उनकी वीरता से भारत का मान बढ़ा है। भारत का मान बढ़ेगा तो हमारा सम्मान बढ़ेगा। इस अवसर पर शिवाजी मित्र भिलाई के पदाधिकारी अनिल भोसले अध्यक्ष, आनंद राव गीद, वामन राव भराडे, दिलीप बारस्कर, शंकर राव वरांडे सहित अन्य जन उपस्थित थे।

60 किग्रा वर्ग में कबीरधाम के सत्येंद्र मेरावी ने जीता कांस्य पदक

भिलाई। इंडियन बॉडी बिल्डर फेडरेशन व जेएसवी के संयुक्त तत्वावधान में लखनऊ उत्तर प्रदेश में 22 व 23 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय 14वीं फेडरेशन कप बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा में 60 किलोग्राम वर्ग में कबीरधाम छत्तीसगढ़ के सत्येंद्र मेरावी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ से विभिन्न वर्गों में 10 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ टीम के कोच विनय कुमार पांडेय ,मैनेजर जितेंद्र सिंह ठाकुर, निर्णायक के रूप में अरविंद सिंह, महेंद्र कुमार टेकाम एवं वी.राज शेखर राव ने भाग लिया।

■ 14 वीं फेडरेशन कप बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा आयोजित

256 फैकल्टी और विद्यार्थियों ने लगातार 12 घंटे तक किया रिसर्च

एक दिन में 207 रिसर्च पेटेंट फाइल कर रूंगटा आर-1 ग्रुप ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

कार्नर न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में हर साल जितने पेटेंट फाइल होते हैं, उसका 66 फीसदी रूंगटा ग्रुप ने एक ही दिन में फाइल कर नया कीर्तिमान रचा है। रूंगटा आर-1 ग्रुप का नाम शनिवार को दुनियाभर में मशहूर हो गया। ग्रुप के फाउंडर स्वर्गीय घनश्याम दास रूंगटा की जन्म शताबदी और कॉलेज के फाउंडेशन डे के मौके पर रूंगटा ग्रुप ने एक ही दिन में 207 रिसर्च पेटेंट फाइल कर नया रिकार्ड बनाया। यह अनोखा रिकॉर्ड गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। ग्रुप के सभी कॉलेजों की 256 फैकल्टी और विद्यार्थियों ने लगातार 12 घंटे तक अपने रिसर्च का युटिलिटी पेटेंट भारत सरकार के मुंबई स्थिति पेटेंट कार्यालय में ऑनलाइन फाइल किया। इससे पहले तक गुजरात की एक निजी यूनिवर्सिटी ने एक ही दिन में 165 पेटेंट आईपीआर फाइल कर रिकॉर्ड कायम किया था।

इसलिए खास है वर्ल्ड रिकॉर्ड

रूंगटा ग्रुप के डायरेक्टर सोनल रूंगटा ने बताया कि, पेटेंट फाइलिंग का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बेहद खास है। भारत में हर महीने जितने पेटेंट फाइल किए जाते हैं, उसका 3 फीसदी एक ही दिन में रूंगटा ग्रुप ने फाइल कर दिया है। वहीं छत्तीसगढ़ में हर साल जितने पेटेंट फाइल होते हैं, उसका 66 फीसदी रूंगटा ग्रुप ने एक ही दिन में फाइल कर नया कीर्तिमान रचा है। इसके अलावा पड़ोसी देश पाकिस्तान सालाना जितने पेटेंट फाइल करता है, उसका 41 फीसदी पेंटेंट रूंगटा ग्रुप ने एक ही दिन में फाइल कर गोल्डन बुक ऑफ वल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है। गोल्डन बुक के बाद गिनिज बुक ऑफ वल्ड रिकॉड्र्स में जाने की तैयारी है। वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने में आईपीआर फाइलिंग में मदद करने वाली संस्था माइक्रेव का सहयोग रहा। जिसे रूंगटा आर-1 ग्रुप ने तोड़ते हुए 207 पेटेंट फाइल कर दिए और एक ही दिन में सबसे अधिक पेटेंट फाइल करने का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पेटेंट के लिए जरूरी सभी मापदंडों को परखने के साथ ही साथ गोल्डन बुक ऑफ रिकॉड्र्स की टीम ने एक-एक पेटेंट फाइलिंग की सुक्ष्म जांच की। नतीजों से संतुष्ट होने के बाद गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के इंडिया हेड आलोक कुमार ने नए वल्ड रिकॉर्ड का प्रशस्ति पत्र रूंगटा आर- 1 ग्रुप के चेयरमैन संतोष रूंगटा को सौंपा।

सांसद ने किया प्रतिमा अनावरण

ग्रुप के फाउंडर स्वर्गीय जीडी रूंगटा की जन्म शताबदी वर्ष को यादगार बनाने के लिए रूंगटा इंजीनियरिंग कॉलेज, फार्मास्यूटिकल और साइंस कॉलेज के विद्यार्थी और फैकल्टीज ने मिलकर सौ पौधे रोपे। रक्तदान शिविर में विद्यार्थियों ने सौ यूनिट ब्लड डोनेट किया। शाम के कार्यक्रम में लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कैंपस में स्थापित स्वर्गीय जीडी रूंगटा की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि शोध ही वर्तमान शिक्षा प्रणाली और नई शिक्षा नीति का प्रमुख स्तंभ है। ऐसे में इस अवॉर्ड के माध्यम से शोधार्थियों का मनोबल बढ़ेगा। इसी कार्यक्रम में प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर पंडित विजय शंकर मेहता विशेष अतिथि रहे। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों को माता-पिता की सेवा, संस्कार और शिक्षा का महत्व समझाया। कार्यक्रम में संजय रूंगटा और डॉ. सुशील रूंगटा भी शामिल रहे। ग्रुप के कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों ने लिए 10 लाख रुपए की जीडीआर मेमोरियल स्कॉलरशिप की घोषणा की गई। संस्थान के चेयरमैन संतोष रूंगटा ने सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को इसका चेक सौंपा। इस स्कॉलरशिप के जरिए कमजोर आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता दी जा सकेगी। कॉलेज की मैग्जीन बीकन का विमोचन भी किया गया।

सिटी इवेंट

मुक्तकंठ साहित्य समिति की नई कार्यकारिणी हुई गठित

■ संरक्षक बने कैलाश बरमेचा

भिलाई। साहित्यिक संस्था मुक्तकंठ साहित्य समिति के प्रबंधन समिति की विशेष बैठक आयोजित की गई। जिसमें समिति की सक्रियता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति के अध्यक्ष गोविंद पाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से कुछ नए दायित्व सौंपे गए। जिसमें पूर्व महिला उपाध्यक्ष डा. बीना सिंह रागी के स्थान पर समिति की सक्रिय सदस्या शीशलता शालू को महिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं पूर्व प्रधान संपादक दलाल समाद्दार को मासिक साहित्यिक बुलेटिन का संपादक बनाया गया और उनके सहयोग के लिए महानंद उन्नी को सह-संपादक नियुक्त किया गया। समिति की नई कार्यकारिणी में प्रधान संरक्षक कैलाश कुमार जैन बरमेचा, अध्यक्ष गोविंद पाल, उपाध्यक्ष आलोक कुमार चंदा, शीशलता शालू, महासचिव नरेन्द्र कुमार सिक्केवाल, सचिव भूषण चिपड़े, कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र मंडल, प्रधान संपादक रजनीकांत श्रीवास्तव, संपादक दुलाल समाद्दार, सह-संपादक महानंद उन्नी, प्रचार सचिव डॉ. नौशाद सिद्दीकी सहित संरक्षक मंडल व कार्यकारिणी में कई प्रतिष्ठित साहित्यकारों और विधि विशेषज्ञों को शामिल किया गया। प्रदेश के अतिरिक्त देश के अन्य राज्यों से भी सैकड़ों साहित्यकार मुक्तकंठ साहित्य समिति से निरंतर जुड़ रहे हैं। जिससे समिति की लोकप्रियता और साहित्य के प्रति उसकी प्रतिबद्धता लोगो में दिखाई दे रही है।

धर्म लाइव

बम्लेश्वरी मंदिर सेक्टर-6 में बही भक्ति की बयार, जुटे श्रद्धालु

■ पचासवें स्वर्ण प्रकटोत्सव में हुए हवन पूजन

भिलाई । श्री मां जगदंबा मंदिर (डोंगरगढ़ वासिनी बम्लेश्वरी मंदिर) सेक्टर 6 के स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण प्रकटोत्सव के तीसरे दिन रविवार को मंदिर में श्रद्धालु उमड़े। भक्तिमय वातावरण में लोक कल्याण के लिए पांच कुंडीय शतचंडी यज्ञ सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हुए। रात में जसगीत और भजनों की प्रस्तुति लोगों को भावविभोर किया। बम्लेश्वरी मंदिर में सुबह से देर रात तक भक्ति की बयार बहती रही। सुबह 10 बजे से यज्ञ मंडप में गणपति पूजन और नवग्रह पूजन के बाद पांच कुंडीय चंडी यज्ञ में यजमान और श्रद्धालुओं ने आहुतियां डालीं। दोपहर तीन बजे मनोकामना हवन प्रारंभ हुआ। विद्या व्यापार और लक्ष्मी प्राप्ति के लिए हवन हुआ। यजमानों में समिधा डाली। हवन सहित सभी धार्मिक अनुष्ठान श्री शंकराचार्य के शिष्यों द्वारा करवाया गया। इसके बाद प्रसाद वितरण हुआ। शाम को मंदिर में शंघ व घंटे की मंगलध्वनि के बीच माता की आरती हुई। बम्लेस्वरी मंदिर के स्वर्ण प्रकटोत्सव के चौथे दिन कल सोमवार को गौरी गणेश पूजन व चंडी पाठ बाद विष्णु सहस्त्रनाम, ललिता सहस्त्रनाम का पाठ, विद्या, व्यापार व लक्ष्मी प्राप्ति के लिए हवन होगा। बीएमसी महिला मंडल व की धार्मिक प्रस्तुति व रात में 8 बजे से माता मम्लेश्वरी गरबा का आयोजन होगा।

समाज इवेंट

शादी की सालगिरह पर मलिक दंपत्ति ने किया देहदान, मिला प्रमाण पत्र

■ प्रनाम की अनूठी पहल, पवन केसवानी ने की काउंसलिंग

भिलाई। मानवता की भलाई के लिए देहदान करने वालों में भिलाई के मलिक दंपत्ति का नाम भी जुड़ गया है। नंदनी रोड भिलाई निवासी मनोज मलिक और उनकी पत्नी कमलेश मलिक ने अपनी शादी की सालगिरह पर सामाजिक संस्था प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी की काउंसलिंग के बाद उनके माध्यम से अपनी देहदान की वसीयतें जारी की। राजीव लोचन आयुर्वेदिक कॉलेज, चंदखुरी दुर्ग के नाम से जारी की गई देहदान की वसीयत में दोनों ने एक दूसरे के लिए साक्षी रिश्तेदार के रूप में हस्ताक्षर करते हुए अपना भावनात्मक सहयोग प्रदान किया। विभिन्न सामाजिक और मानव सेवार्थ कार्यों में जुड़े मलिक दंपति ने देहदान के उद्देश्य के बारे में बताया कि, अपनी मृत्यु के बाद जिंदा समाज की भलाई के लिए चिकित्सा अध्ययन के लिए अपना शरीर दान करने का संकल्प हमने स्वेच्छा से लिया है। देहदान की इस सेवा कार्य में देहदानी मलिक दंपति की बेटी वर्षा और निशु पांडे की भी विशेष सहभागिता रही। प्रनाम द्वारा 2008 से लगातार देहदान एवं नेत्रदान जैसे अनेक मानवसेवार्थ कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान 2124 प्रबुद्धजनों को देहदान के लिए प्रेरित किया गया, जिनमें 229 लोगों के मरणोपरांत उनकी पार्थिव काया छत्तीसगढ़ के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल की पढ़ाई और भलाई के लिए समर्पित की जा चुकी है। प्रनाम की इस अभियान से सभी आम जनमानस जुड़ सकते है।

● जनप्रतिनिधियों को उनके दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और समर्पण से करने कराया मेडिटेशन

सोने से पहले और सुबह उठने के बाद 15 मिनट हमारे जीवन में अमृत के समान, परमात्मा को याद कर श्रेष्ठ कार्य की करें शुरुआत: प्राची

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित अंतर्दिशा भवन के पीस ऑडिटोरियम में नवनिर्वाचित सरपंच,पंच,पार्षद, जनपद अध्यक्ष का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान सभी जनप्रतिनिधियों को श्रीफल, पट्टिका पहनाकर सम्मानित किया और गाँव के सर्वांगीण विकास के लिए उनके दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और समर्पण की भावना से करने की शपथ दिलाई। साथ ही ब्रम्हकुमारी बहनों ने मन के पथरीले रास्ते रूपी नकारात्मक विचारों को छोड़कर, शुद्ध, शांत, श्रेष्ठ और सकारात्मक विचारों को धारण कर बेहतर कार्य करने प्रेरित किया। इस अवसर पर डिवाईन ग्रुप के बच्चों ने मेरे देश की धरती, सुन मितवा तुझको क्या डर है रे,,, गीतों पर सुन्दर नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगो में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात सयंत्र सी एस आर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) के जी एम शिवराजन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ईर्ष्या को छोड़कर दूसरों की अच्छाई को स्वयं धारण करें- प्राची बहन

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची बहन ने नवनिर्वाचित सदस्यों को गांव का सर्वांगीण विकास करने के लिए जीवन में आध्यात्मिकता के समावेश द्वारा मन के पथरीले रास्ते रूपी नकारात्मक विचारों को छोड़कर, शुद्ध, शांत, श्रेष्ठ और सकारात्मक विचारों को धारण कर बेहतर कार्य करने प्रेरित किया।उन्होंने कहा कि दूसरों के साथ तुलना और ईर्ष्या को छोड़कर दूसरों की अच्छाई को स्वयं में धारण करना है। रात को सोने का समय और सुबह उठने के 15 मिनट हमारे जीवन में अमृत के समान होते हैं इस समय को परमात्मा को याद करके श्रेष्ठ कार्य की शुरुआत करें।

जन प्रतिनिधि महिलाएं स्वयं ले निर्णय

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर विधिवत रुप से की गई। इस दौरान भिलाई इस्पात सयंत्र के सी एस आर विभाग के जीएम शिवराजन ने गुजरात और हैदराबाद की महिलाओं का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां पर 30 वर्षो पूर्व ही महिलाएं 4 व्हीलर के साथ ट्रक भी चलाती थी। आज भले ही सरपंच महिलाएं बनी है लेकिन निर्णय सरपंच पति ही करते है। उन्होंने महिलाओं को कहा कि आप सभी गाँव के विकास में स्वयं के निर्णय ले। गांव में शिक्षा और रोजगार बहुत आवश्यक है। शिवराजन ने नशा मुक्ति के विषय में कहा कि नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूकता लानी है, जिसमे ब्रह्माकुमारिज जैसी आध्यात्मिक संस्थाओं का विशेष योगदान जरुरी है। डिवाईन ग्रुप के बच्चों ने मेरे देश की धरती, सुन मितवा तुझको क्या डर है रे,,, गीतों पर सुन्दर नृत्य प्रस्तुत कर सभी को श्रेष्ठ कार्य करने के लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर कर दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन ब्रह्माकुमारी गायत्री बहन ने किया। ब्रह्माकुमारी अमिता बहन ने राजयोगिनी आशा बहन की तरफ से सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में करंजा भिलाई, कुटेलाभाटा, बेलोदी, बोरीगाँव, कचान्दुर, खपरी, उतई, उमरपोटी, बासिन, डूमरडीह के नवनिर्वाचित सरपंच, पंच, जनपद अध्यक्ष, पार्षद उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों को श्रीफल, पट्टिका पहनाकर सम्मानित कर उनके दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और समर्पण की भावना से गाँव के सर्वांगीण विकास कार्य करने के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया।

साइकिलिस्ट ग्लोबल वारियर अभियान

बच्चों ने निकाली साईकिल रैली प्रदूषण मुक्ति का दिया संदेश

भिलाई। साईकिलिस्ट ग्लोबल वारियर अभियान के अंतर्गत मरोदा सेक्टर में रविवार को जनजागरूकता के लिए छोटे-छोटे बच्चों ने साईकिल रैली निकाली और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया।

इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने बड़ों को यह संदेश दिया कि ग्लोबल वार्मिंग दूर करने साइकिल चलाना जरूरी है जिससे आर्थिक बचत तो होती ही है साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है। साईकिल रैली के दौरान महाराष्ट्र व नागपुर शहर से आए मनोज देवांगन और अंशुल ने भी इन छोटे नौनिहालों के साथ सहभागिता निभाई और छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे इस वैश्विक अभियान का समर्थन किया। साईकिलिस्ट ग्लोबल वारियर अभियान के संयोजक अंकुश ने बताया कि भारत प्राचीन काल से ही विश्वगुरू रहा है और आज ग्लोबल वार्मिंग के इस खतरनाक दौर में वही सबको रास्ता दिखा सकता है। पिछले सप्ताह ही सांसद विजय बघेल ने भी साईकिल चलाकर लोगों को प्रेरित किया था कि दुनिया को प्रदूषण से बचाने साईकिल चलाना आवश्यक है। उन्होंने लोगो का आव्हान किया है कि साईकिल चलाने के लिए श्रम करें शर्म नहीं। इस अभियान में भिलाई के अनेक कलाकार, समाजसेवी, स्पोर्ट्समेन और छात्र-छात्राएं स्वस्फूर्त अपना योगदान दे रहे हैं। सभी का मानना है कि पूरी दुनिया मे प्रति सोमवार साईकिल डे मनाया जाना चाहिए तभी भविष्य सुधर सकता है। मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस.विद्यार्थी, बी.एल. सोनी एवं विजय शर्मा ने कहा है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए साईकिल जरूर चलाएं, वहीं प्रकाश बंछोर ने अपने स्वास्थ्य का राज साईकिल को ही बताया। वरिष्ठ रंगकर्मी भानूजी राव, साहित्यकार पी.वाल्सन, प्रशांत क्षीरसागर, वीरेन्द्र पटनायक, चित्रकार भूपत राव बोरकर ने कहा कि साईकिल चालक को हेय दृष्टि से न देखकर उसे एक वैश्विक पर्सनैलिटी का दर्जा दिलाना ही हमारे अभियान का उद्देश्य है। इस अभियान का व्यापक असर पड़ रहा है और लोग नया साईकिल खरीद रहे हैं ताकि अपने हिस्से का प्रदूषण दूर कर सकें।

लेह से लद्दाख तक साईकिल चलाने वाले प्रवीण कालमेघ ने भी बताया कि वे साईकिल चलाना बंद कर चुके थे किंतु इस अभियान से उन्हें नया जोश मिला है। इस अभियान में आचार्य महेश चंद्र शर्मा, खैरागढ़ विश्वविद्यालय से प्रोफेसर कपिल वर्मा, सात समंदर पार अमेरिका से चित्रकार कमलेश सक्सेना, साहित्यकार मेनका वर्मा, मीना देवांगन, ललेश्वरी साहू, अभिषेक सपन, धीरज साहू, यश दलवी, कांता देवी, पी.एल.जेना तथा पर्यावरण मित्र बालूराम वर्मा जैसे सैकड़ो लोग इस अभियान का निरंतर मदद और समर्थन कर रहे हैं।

केंद्रीय विद्यालय में चिंतन दिवस का आयोजन

वर्ल्ड थिंकिंग डे पर विद्यार्थियों ने स्काउट-गाइड के नियमों और प्रतिज्ञा को दोहराया

भिलाई। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में वर्ल्ड थिंकिंग डे मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने स्काउट नियमों तथा प्रतिज्ञा को दोहराया। इस दौरान प्राचार्य उमाशंकर मिश्र ने कहा कि थिंकिंग डे स्काउट्स और गाइड्स के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। यह दिन दुनिया भर के युवाओं को एकजुट करने और उन्हें सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर सोचने के लिए प्रेरित करता है। स्काउट के आंदोलन से जुड़ने का अर्थ है कि हम अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का अनुभव करें और स्वयं को पीछे रख करके देश और दुनिया के बारे में सोचें। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ अजय आर्य ने बताया कि इस बार वर्ल्ड थिंकिंग डे 2025 का थीम हमारी दुनिया, हमारा भविष्य है। यह थीम हमें दुनिया को बेहतर बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने की प्रेरणा देता है। इसका उद्देश्य दुनिया भर के युवाओं को एकजुट करना और समाज में पॉजिटिव चेंज लाने के लिए मोटिवेट करना है। जैसे हम होंगे वैसे ही हमारी दुनिया होगी। हम स्वयं बदलें तथा अपने आसपास की दुनिया को सकारात्मक बनाए रखने का प्रयत्न करें। तोषन लाल साहू एवं

आशुतोष सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ल्ड थिंकिंग डे की शुरुआत 1926 में हुई थी, जब गाइड्स और स्काउट्स के एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में इसे मनाने का प्रस्ताव रखा गया था। इसकी शुरुआत लंदन में हुई थी और तब से यह दिन पूरी दुनिया में मनाया जाता है। चिंतन दिवस पर हम दुनिया को अच्छा बनाने के लिए अच्छा कार्य करें और उसके बारे में सोचें। डॉ राखी श्रीवास्तव ने सकारात्मक पहल पर जानकारी देते हुए कहा हम समाज में जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं। इस अवसर पर शिक्षकों एवं छात्रों ने मिलकर सेवा और आसपास सफाई कार्य किया। इस अवसर पर सतीश धीवर, सतविंदर कौर, कन्हैयालाल वैद्य, एसवीएस गायत्री आदि मौजूद थे।

हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मातृभाषा

हिंदी, भोजपुरी, बंगाली भाषाओं की कविताओं के माध्यम से मातृभाषा की महत्ता बताकर देश की अखंडता का दिया संदेश

कार्नर न्यूज

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने इस अवसर पर कहा कि हम अपनी माता की तरह मातृभाषा का सम्मान करते हैं। भारतीय भाषाओं में विविधता होते हुए भी एकता परिलक्षित होती है। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि विश्व मातृभाषा दिवस मनाने का उद्देश्य है कि विभिन्न बोलियों और भाषाओं को संरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कैलाश गौतम की भोजपुरी कविता के माध्यम से भोजपुरी संस्कृति एवं परंपरा का वर्णन किया। कार्यक्रम की वक्ता नीता दास ने बंगला भाषा की अखंडता को बताते हुए बंगला साहित्य और साहित्यकारों के वैशिष्ट्य का वर्णन करते हुए स्वरचित बंगला की कविता के माध्यम से बंगला भाषा की मिठास को अभिव्यक्त किया।

मातृभाषा धर्म-जाति की नहीं प्रेम की भाषा

विशेष रूप से मौजूद वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि शरद कोकाश ने कहा मातृभाषा किसी धर्म या जाति विशेष की नही होती वह प्रेम की भाषा होती है, जो हमारे मन की पीड़ा और दुख में अभिव्यक्त होती है । उन्होंने मराठी की शब्दावली के अर्थों को भी बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व्यंग्यकार गुलबीर सिंह भाटिया ने पंजाबी भाषा की विशेषता बताते हुए पंजाबी की संवेदात्मक कहानियों का पाठ किया। अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. के पद्मावती ने तेलुगु में पीपल के धार्मिक महत्व एवं पर्यावरण से संबंध को तेलगु कविता के माध्यम से व्यक्त किया। डॉ. तरलोचन कौर ने अमृता प्रीतम के गीत के द्वारा विभाजन की त्रासदी को व्यक्त किया।

उड़िया में भक्ति गीत ने बांधा समां , सिंधी गीतों की भी प्रस्तुति

डॉ. मीना मान में उड़िया में भक्ति गीत प्रस्तुत किए। डॉ. सीमा पंजवानी ने सिंधी में गीत प्रस्तुत की। डॉ. जैनेन्द्र दीवान ने संस्कृत में श्लोक वाचन किया। डॉ. निगार ने मलयाली भाषा में भक्ति गीत प्रस्तुत की। एमए हिंदी और अंग्रेजी के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ अपनी मातृभाषा छत्तीसगढ़ी कविता का पाठ किया। इस आयोजन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं स्नातक स्नातकोत्तर के विद्यार्थी बढ़ी संख्या में उपस्थित रहे। मार्च माह में इंटरनेशनल सेमिनार, तीन देशों से साइंटिस्ट आएंगे साइंस कॉलेज में मार्च महीने में विज्ञान से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न वैज्ञानिकों तथा सामाजिक विज्ञान संकाय के सोशल साइंटिस्ट का जमावड़ा रहेगा। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि रूसा से प्राप्त राशि के सहयोग से महाविद्यालय के स्नातकोत्तर विभागों प्राणीशास्त्र एवं रसायन विभाग सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। कला संकाय के राजनीति, अर्थशास्त्र विभाग, इतिहास विभाग द्वारा भी कार्यशाला प्रस्तावित है। 3 एवं 4 मार्च को हिमालय हिन्द महासागर एवं भारत में सांस्कृतिक, आर्थिक, रणनीतिक संबंध पर यह सेमिनार आयोजित है। इसी प्रकार अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 7 एवं 8 मार्च को सेमीनार आयोजित है। 5 एवं 6 मार्च को महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा भारतीय इतिहास में जनजाति योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। भूगर्भशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि रसायन विभाग द्वारा 5 एवं 06 मार्च को आयोजित होने वाले कान्फ्रेंस में भारत के अलावा 3 देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। इनमें दक्षिण अफ्रीका के डॉ. एसबी जोनलगड्डा, फिजी के डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद, नेपाल के डॉ. रामेश्वर अधिकारी शामिल हैं।

ये भी जानें

वेट लॉस और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का आपस में है संबंध, जानिए जरूर

आज के समय में अधिकतर लोग अपने बढ़ते वजन के कारण परेशान हैं और इसलिए उसे कम करने के लिए अपनी डाइट और वर्कआउट रूटीन पर फोकस करते हैं। अमूमन वर्कआउट को लेकर हर किसी के मन में एक मिथ हमेशा ही होता है। लोगों को लगता है कि वेट लॉस करने के लिए कार्डियो करना ही सबसे अच्छा तरीका होता है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं होता है। कार्डियो के साथ-साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी वेट लॉस में उतनी ही मददगार है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग वास्तव में फैट को बर्न करने और उसे लंबे समय तक बनाए रखने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान जब वज़न को उठाया जाता है, तो यह सिर्फ़ आपको मज़बूत नहीं बनाता है, बल्कि यह आपके मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट अप करता है। इतना ही नहीं, इससे आपको वर्कआउट के बाद भी कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है। फिटनेस एक्सपर्ट और योगविशेषज्ञ जितेन्द्र कौशिक आपको बता रहे हैं कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की मदद से वजन किस तरह कम हो सकता है-

वर्कआउट के बाद भी होती है कैलोरी बर्न

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब आप स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं तो इससे वर्कआउट के बाद भी कैलोरी बर्न होती है। जब आप कार्डियो करते हैं तो केवल उसी समय कैलेरी बर्न होती है। लेकिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का आफ्टरबर्न इफ़ेक्ट वेट लॉस को और भी ज्यादा इफेक्टिव बनाता है। इसका मतलब है कि आपका शरीर घंटों तक कैलोरी बर्न करता रहता है। भले ही आप सोफे पर आराम कर रहे हैं, तब भी कैलोरी बर्न होती है।

मसल्स लॉस से होता है बचाव

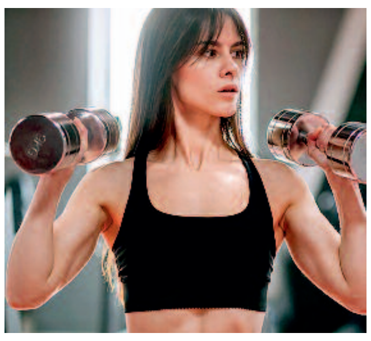

अक्सर लोग वेट लॉस करने के लिए भूखा रहना पसंद करते हैं या फिर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के बिना वज कम करना चाहते हैं। इससे वजन तो कम हो जाता है, लेकिन वास्तव में आपका मसल लॉस होता है, जो आपके शरीर के लिए अच्छा नहीं है। मसल्स लॉस होने का मतलब है कि मेटाबॉलिज्म भी स्लो हो जाता है। लेकिन जब आप स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं तो आप वास्तव में फैट लॉस करते हैं और इससे आपकी मसल्स की स्ट्रेंथ बनी रहती है।

शरीर होता है टोन

अमूमन हम सभी वेट लॉस करना चाहते हैं, लेकिन इस दौरान अगर शरीर पतला-दुबला या बीमार नजर आने लगे तो कैसा महसूस होगा। यकीनन हम में से ऐसा कोई भी नहीं चाहता है। इसलिए कार्डियो के साथ-साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने की सलाह दी जाती है। दरअसल, कार्डियो केवल आपको वजन कम करने में मदद कर सकता है, लेकिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से ना केवल आपका वजन कम होता है, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक टोन्ड नजर आने लगता है। इसलिए, अपनी बॉडी को अधिक डिफाइन लुक देने के लिए आप कार्डियो के साथ-साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी जरूर करें।

लंबे समय तक वजन कम रहता है

अधिकतर लोगों की यह शिकायत होती है कि उनका वजन कम तो हो जाता है, लेकिन कुछ ही समय में वजन फिर से बढ़ जाता है। अगर आप सिर्फ कार्डियो और डाइट पर निर्भर है तो इससे मसल्स कमजोर हो जाती है और मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, जिससे दोबारा वजन बढ़ सकता है। लेकिन जब आप स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं तो ऐसा करने की संभावना काफी कम हो जाती है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से मसल्स बिल्डअप होती है और साथ ही साथ मेटाबॉलिज्म भी इंप्रूव होता है। जिसकी वजह से दोबारा जल्दी से वजन बढ़ने की संभावना काफी कम हो जाती है।

मानसिक स्वास्थ्य के मामले लगातार बढ़ रहे देश में

स्ट्रेस को कम करना है तो शुरू करें जरूरी काम, फिर से लाइफ हो जाएगी बिंदास

आज के समय में मेंटल हेल्थ के मामले में लगातार बढ़ रहे हैं। इतनी आबादी होने के बावजूद बहुत से लोग अकेलापन महसूस करते हैं, जो मेंटल हेल्थ पर नेगेटिव असर डालने का काम कर रही है। काम का अत्यधिक दबाव, व्यक्तिगत समस्याएं, और सामाजिक अपेक्षाएं मेंटल हेल्थ का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। सुबह की भागदौड़ से लेकर ऑफिस के दबाव तक खुशी के पल पाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। हालांकि, इससे निकलना बेहद जरूरी है क्योंकि लंबे समय तक तनाव मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। जिससे डायबिटीज ब्लड प्रेशर और हार्ट की बीमारी जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

मेंटल हेल्थ के लक्षणों को पहचानना जरूरी

मेंटल हेल्थ के लक्षणों को पहचानना भी जरूरी है। लगातार उदासी या निराशा, चिंता या भय का अत्यधिक अनुभव और गुस्सा या चिड़चिड़ापन होना इसके लक्षण हैं। इसके अलावा नींद में समस्या, भूख कम या ज्यादा लगना, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी और निर्णय लेने में होने वाली कठिनाई भी इसके कारण हो सकते हैं।

ध्यान और योग तनाव के खिलाफ लड़ती है लड़ाई

यूके मेंटल हेल्थ फाउंडेशन हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर तनाव के हानिकारक प्रभावों से बचने के लिए कुछ उपाय बताए हैं। ध्यान और योग तनाव के खिलाफ लड़ाई करते हैं, जो मानसिक शांति के लिए बेहद जरूरी हैं। नियमित ध्यान सत्र मन को शांत करने में मदद करते हैं, जबकि योग शारीरिक लचीलापन और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है।

ऐसे कर सकते हैं स्ट्रेस को कम

इसके अलावा दौड़ने, तैरने या साइकिल चलाने जैसे दैनिक व्यायाम करने से एंडोर्फिन निकलता है, जो शरीर के प्राकृतिक मूड को बढ़ाता है। सकारात्मक मानसिक स्थिति को बढ़ावा देता है और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करता है। प्रकृति का हमारे स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव है, इसे कम करके नहीं आंका जा सकता। हरे-भरे पार्कों या सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के बीच बाहर समय बिताना तनाव को काफी हद तक कम कर सकता है।

इन चीजों पर ध्यान देना जरूरी

प्रकृति के साथ यह संबंध मन और शरीर दोनों को तरोताजा करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसी तरह हम जो खाना खाते हैं, वह तनाव को रोकने करने में अहम भूमिका निभाता है। फलों, सब्जियों और साबुत अनाज से भरपूर आहार तनाव को कम करने में मदद कर सकता है, क्योंकि स्वस्थ खाने की आदतें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से काम करने में मदद करती हैं। नींद पूरी नहीं करना तनाव और चिंता को बढ़ा सकती है, इसलिए हर रात 7-8 घंटे की आरामदायक नींद की ज़रूरत होती है।

लग गई है रील देखने की लत, बेहतर हैं जल्द छोड़ दें खतरनाक आदत

बहुत अधिक रील देखने की आदत सेहत के लिए कई तरह से नुकसानदायक हो सकती है। यह आपके किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, मेंटल हेल्थ को तो प्रभावित करती ही है साथ ही लंबे समय तक रील देखते रहने से शारीरिक सक्रियता कम होती है।

क्या आपके भी दिन का ज्यादातर समय रील्स को स्क्रॉल करते हुए बीतता है? ये आदत आपको कुछ समय के लिए आनंद की अनुभूति जरूर करा सकती है पर क्या आप जानते हैं कि रील्स देखने और दिनभर मोबाइल से चिपके रहने की आदत आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है? विशेषतौर पर बच्चों में बढ़ती इस आदत को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ काफी चिंता जता रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बहुत अधिक रील देखने की आदत सेहत के लिए कई तरह से नुकसानदायक हो सकती है। यह आपके किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, मेंटल हेल्थ को तो प्रभावित करती ही है साथ ही लंबे समय तक रील देखते रहने से शारीरिक सक्रियता कम होती है।

यानि की बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में तेजी से बढ़ती ये आदत दीर्घकालिक रूप से सेहत को गंभीर क्षति पहुंचाने वाली हो सकती है।

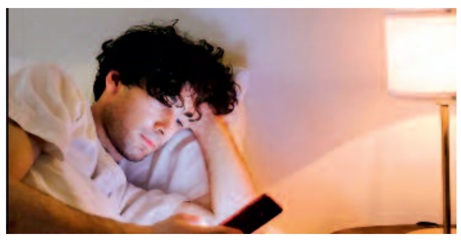

रील्स की आदत कितनी नुकसानदायक : स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, रील्स देखने की आदत कई प्रकार से सेहत को नुकसान पहुंचाती है। रील में कंटेंट का तेजी से आना और तेजी से चले आना, लंबे समय तक किसी काम पर ध्यान केंद्रित करने की आपकी क्षमता को काफी प्रभावित करने वाली हो सकती है। इसके अलावा कई अध्ययनों में रील्स देखने की आदत को डोपामाइन रिलीज को ट्रिगर करने वाला बताया गया है जिससे आप कम खुश रह पाते हैं।

'ओपन अवेयरनेस' अभ्यास से मिलता है आराम : हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के विशेषज्ञों की टीम ने कहा, अगर आप भी अक्सर रील्स देखते रहने वाले लोगों में से हैं तो संभव है कि आपको इसके दुष्प्रभाव को अनुभव होने लगा हो। हालांकि इसके खतरे को कम करने के लिए मेडिटेशन-योग जैसे कुछ उपायों को दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है जो आपकी मनोदशा और नींद में सुधार करने के साथ रील्स की आदत के कारण होने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को कम कर सकते हैं।

कैसे करें ये मेडिटेशन

आंखें बंद कर लें और गहरी सांस लें और सांस छोड़ते वक्त स्ट्रेस को रिलीज करें। इससे ऑक्सीजन का स्तर बढ़ेगा व नर्वस सिस्टम शांत रहेगा।

अब अपनी सांस पर ध्यान दें। अगर मन भटके, तो धीरे से सांस पर वापस ध्यान लगाएं। 10 मिनट तक सांस पर ध्यान देने वाले इस अभ्यास की मदद से 40% तक स्ट्रेस कम कर सकते हैं।

अभ्यास के तीसरे चरण में शरीर के हर हिस्से का एहसास करें, जैसे सांस हर हिस्से में फैल रही हो। आसपास वातावरण को महसूस करें, फिर आंखें खोल लें।

ये आसान सी आदत रील्स देखने के कारण होने वाली समस्याओं का कम करने मेंटल हेल्थ को ठीक बनाए रखने में काफी मददगार हो सकती है।

घर में रखी इन चीजों को कभी न छोड़ें खाली, बन सकती हैं वास्तु दोष का कारण

हमारे घरों की सकारात्मक ऊर्जा और वित्तीय खुशहाली को भला कौन नहीं बढ़ाना चाहता है। ऐसा कहा जाता है कि नकारात्मक ऊर्जा घर में मौजूद विशिष्ट वस्तुओं से जुड़ी होती है, जो परिवार पर कई तरह के बुरे प्रभाव डालती है। यदि आप वास्तु के सही नियमों का पालन करते हैं तो आपके जीवन की सभी नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर करने में मदद मिलती है।

किचन में रखे कंटेनर : आपके घर की किचन में रखे खाली कंटेनर और जार केवल सामान्य वस्तुएं नहीं हैं, उन्हें ऐसे बर्तनों के रूप में देखा जाता है जो घर के भीतर प्रचुरता और सकारात्मक ऊर्जा की क्षमता रखते हैं। यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि एक खाली कंटेनर या जार ऊर्जा के संदर्भ में खालीपन का प्रतीक हैं।

इस शून्यता को प्रचुरता की कमी या समृद्धि की संभावना के रूप में भी देखा जा सकता है। जिस तरह एक कंटेनर का मतलब वस्तुओं से भरा होता है, ऐसा माना जाता है कि एक खाली कंटेनर घर के भीतर आने वाली सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बाधित करता है। मुख्य रूप से आपको कभी भी अनाज के कंटेनर खाली नहीं रखने चाहिए। इनसे आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

बटुआ या पर्स : ऐसा यह माना जाता है कि एक खाली बटुआ या पर्स वित्तीय अस्थिरता का प्रतीक हो सकता है और धन के प्रवाह को रोक सकता है या कम कर सकता है।

आपका बटुआ या पर्स एक ऐसा सामान माना जाता है जो हमारे वित्तीय संसाधनों को सुचारु बनाए रखता है। जब यह खाली होता है, तो यह वित्तीय प्रचुरता की कमी को दिखाता है। यह संभावित रूप से घर की ऊर्जा में बेचैनी या असंतुलन की भावना पैदा कर सकता है। हालांकि, ऐसा माना जाता है कि बटुआ या पर्स को भरकर रखने से हमें आर्थिक समृद्धि को आकर्षित करने में मदद मिलती है। आपको हमेशा अपने पर्स में कुछ नकदी अवश्य रखनी चाहिए, जिससे धन का आगमन बना रहे।

खाली फूलदान : खाली फूलदान अधूरे रिश्तों या घर में खालीपन का संकेत दे सकते हैं। वास्तु शास्त्र की मानें तो फूलदान जैसी साधारण वस्तुओं का स्थान भी प्रतीकात्मक महत्व रखता है।

घर पर मेयोनेज बनाना है आसान, इन स्टेप्स से तैयार करें अलग-अलग रेसिपीज

मेयोनेज एक क्रीमी और स्वादिष्ट स्प्रेड होता है, जिसका इस्तेमाल सैंडविच, बर्गर, सलाद और कई अन्य व्यंजनों में किया जाता है। इसका स्मूद और रिच टेक्सचर खाने का स्वाद बढ़ा देता है। बाजार में मिलने वाले मेयोनेज में प्रिजर्वेटिव्स, एक्स्ट्रा फैट और आर्टिफिशियल फ्लेवर्स हो सकते हैं। यह आपकी सेहत पर असर डाल सकते हैं। आप इसे घर पर आसानी से बना सकते हैं।

क्लासिक एग मेयोनेज रेसिपी

एक बाउल में अंडे की जर्दी लें और उसमें नमक, चीनी और सरसों का पेस्ट मिलाएं। मिक्सर या हैंड ब्लेंडर की मदद से इसे फेंटना शुरू करें। अब धीरे-धीरे तेल डालें और लगातार फेंटते रहें, जिससे मेयोनेज गाढ़ा होता जाएगा। जब टेक्सचर क्रीमी और स्मूद हो जाए, तो इसमें नींबू का रस डालें और एक बार फिर अच्छे से फेंट लें। आपका क्लासिक एग मेयोनेज तैयार है। इसे फ्रिज में स्टोर करें और 1 हफ्ते तक इस्तेमाल करें। इसे भी पढ़ें: क्या आप जानते हैं आपके घर में आने वाली मेयोनीज किस चीज़ से बनती है

एगलेस मेयोनेज रेसिपी

एक ब्लेंडर में दूध डालें और उसे मीडियम स्पीड पर फेंटें।अब धीरे-धीरे तेल डालें और ब्लेंडर को लगातार चलाते रहें।जब मिश्रण गाढ़ा होने लगे, तो उसमें नींबू का रस, सरसों पाउडर, नमक और चीनी डालें। इसे दोबारा ब्लेंड करें, जब तक कि टेक्सचर क्रीमी न हो जाए।आपका एगलेस मेयोनेज तैयार है, इसे फ्रिज में रखें और 5-7 दिनों के अंदर इस्तेमाल करें।

कार्नर न्यूज

सही मार्गदर्शन मिलने से अनुशासित बनते हैं बच्चे

आपकी सख्ती का बच्चों पर बुरा असर तो नहीं हो रहा, परवरिश में जरूर रखें कुछ बातों का ध्यान

जरूरत से ज्यादा सख्ती बच्चों की मासूमियत और सहजता को कम कर सकती है। उनकी क्यूटनेस उनके स्वाभाविक व्यवहार में होती है, लेकिन जब उन पर अनावश्यक पाबंदियां लगाई जाती हैं, तो वे डरने लगते हैं, झिझकने लगते हैं और अपनी चंचलता खो सकते हैं। अनुशासन आवश्यक है, लेकिन इसे प्यार और समझदारी के साथ अपनाना चाहिए। सही मार्गदर्शन मिलने से बच्चे न केवल अनुशासित बनते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी मजबूत बना रहता है। तो आज की इस खबर में हम आपको कुछ पेरेंटिंग टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे अपने बच्चे को सही मार्गदर्शन दे सकता है।

सख्ती के बजाय बातचीत करें

बच्चों को डांटने या आदेश देने के बजाय उनसे खुलकर बातचीत करें। उन्हें यह समझाने की कोशिश करें कि कौन-सा व्यवहार सही है और क्यों।

नियमों को कठोर नहीं, आसान बनाएं

अनावश्यक सख्त नियम बनाने के बजाय, बच्चों को यह बताएं कि नियम उनके भले के लिए हैं। नियम तार्किक और व्यवहारिक होने चाहिए, ताकि बच्चे उन्हें आसानी से समझ सकें।

धैर्य और प्यार से पेश आएं

बच्चे गलतियाँ करेंगे, लेकिन उन्हें सख्ती से सुधारने के बजाय धैर्यपूर्वक सही राह दिखाएं। प्यार से समझाने पर वे ज्यादा जल्दी और प्रभावी तरीके से सीखते हैं।

उनकी भावनाओं को समझें

अगर बच्चा किसी बात से नाराज या उदास होता है, तो उसे नजरअंदाज करने के बजाय उसकी भावनाओं को समझने का प्रयास करें। ऐसा करने से बच्चे को सुरक्षा और अपनापन महसूस होता है।

सकारात्मक अनुशासन अपनाएं

डांटने या दंड देने की बजाय, अच्छे व्यवहार को प्रोत्साहित करें। जब बच्चा कुछ अच्छा करे, तो उसकी सराहना करें ताकि वह अच्छा करने के लिए प्रेरित हो।

आदेश देने की बजाय विकल्प दें

बच्चों को सीधा आदेश देने के बजाय उन्हें विकल्प दें, ताकि वे खुद निर्णय लेना सीखें। जैसे, अभी होमवर्क करना चाहते हो या 10 मिनट बाद? इससे वे अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभाना सीखेंगे।

खुद आदर्श बनें

बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने माता-पिता को करते देखते हैं। यदि आप धैर्य, सम्मान और समझदारी दिखाएंगे, तो वे भी वैसा ही व्यवहार अपनाएंगे।

आत्मविश्वास बढ़ाने पर ध्यान दें

बच्चों को अपनी बात कहने और खुद निर्णय लेने का अवसर दें। इससे वे आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनेंगे, जो उनके व्यक्तित्व के लिए बेहद जरूरी है।

जरूरत हो तभी 'ना' कहें

हर छोटी बात पर 'ना' कहने से बच्चे जिद्दी बन सकते हैं। इसलिए जहां जरूरी हो, वहीं मना करें और बाकी बातों में लचीलापन अपनाएं। अगर बच्चा गलती करता है, तो उसे सजा देने के बजाय उसकी गलती को सुधारने में मदद करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

हॉलीवुड में कई यादगार भूमिकाएं निभाने वाली मैरी स्टीवर्ट नहीं रहीं

हॉलीवुड अभिनेत्री लिन मैरी स्टीवर्ट का 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ पड़ी कई सितारों ने उनके निधन पर श्रद्धांजलि दी। लिन मैरी स्टीवर्ट पी-वी के प्लेहाउस में मिस यवोन की

और 'इट्स ऑलवेज सनी इन फिलाडेल्फिया' में भूमिका के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री के निधन पर कई फिल्मी सितारों और मशहूर हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है। 'एलवीरा' स्टार कैसंड्रा पीटरसन उन कई लोगों में से एक थीं, जिन्होंने अभिनेत्री को इंस्टाग्राम पर श्रद्धांजलि दी उन्होंने लिखा, ₹मेरी प्यारी दोस्त लिन स्टीवर्ट के निधन की खबर सुनकर मेरा दिल टूट गया है,₹ पीटरसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा। ₹अब तक की सबसे दयालु, प्यारी और सबसे मजेदार महिलाओं में से एक पी-वी के प्लेहाउस की मिस यवोन, वह हमेशा 'पपेटलैंड की सबसे खूबसूरत महिला' रहेंगी। अभिनेत्री स्टीवर्ट पी-वी फ्रैंचाइज में मिस यवोन के किरदार के माध्यम से सबकी चहेती बन गईं। इसमें 'द पी-वी हरमन शो' (1981), 'पी-वी बिग एडवेंचर' (1985), 'पी-वी प्लेहाउस' (1986-'90) 'बिग टॉप पी-वी' (1988), 'क्रिसमस एट पी-वी प्लेहाउस' (1988) और 'पी-वी बिग हॉलिडे' (2016) की उनकी भूमिकाएं शामिल थीं। लिन मैरी स्टीवर्ट का जन्म 14 दिसंबर, 1946 को लॉस एंजिल्स में हुआ था।

टॉलीवुड

'संक्रांतिकी वस्थुन्नम' के रीमेक में नए चेहरे को लेकर अटकलें तेज

तेलुगु सिनेमा की सुपरहिट फिल्म 'संक्रांतिकी वस्तुन्नम' ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया था। इस फिल्म की कहानी और अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। अब यह फिल्म जल्द ही जी 5 पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। फिल्म की सफलता के बाद अब यह खबरें आ रही हैं कि 'संक्रांतिकी वस्तुन्नम' को हिंदी में रीमेक किया जा सकता है। फिल्म निर्माता दिल राजू इस प्रोजेक्ट को लेकर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि जल्द ही वह इसे हिंदी में बना सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की रीमेक में अक्षय कुमार वेंकटेश के रोल में नजर आ सकते हैं। अगर रिपोर्ट्स के दावे सही साबित होते हैं तो यह एक और रीमेक होगी, जिसमें अक्षय कुमार नजर आएंगे। इससे पहले भी वह साउथ की कई फिल्मी के रीमेक में नजर चुके हैं। इसनें 'सरफिरा', 'राउडी राठौर' और 'हॉलीडे' जैसी फिल्में शामिल हैं। अक्षय अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता और शानदार कॉमेडी टाइमिंग के लिए मशहूर हैं। ऐसे में अगर वह इस फिल्म में नजर आते हैं तो फैंस के लिए यह किसी बड़े तोहफे से कम नहीं होगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय को हाल ही में फिल्म 'स्काई फोर्स' में देखा गया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ी क्लब में शामिल होने में कामयाबी हासिल की थी।

भोजपुरी

निर्देशक ने रानी को दिया 'बेस्ट चुगलखोर' का तमगा, अभिनेत्री बोलीं- 'वाह! क्या तारीफ है'

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अदाकारा रानी चटर्जी यूं तो अपनी आगामी फिल्म 'प्रिया ब्यूटी पार्लर' को लेकर चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर भी हाल ही में रिलीज हुआ। इस फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका नाम है, 'चुगलखोर बहुरिया'। इसकी शूटिंग शुरू कर दी गई है। निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी ने मुहूर्त की फुटेज शेयर की हैं। इश्यिताक शेख बंटी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे रानी चटर्जी की प्रतिभा की तारीफ करते दिखे हैं। मगर, तारीफ का लहजा कुछ मजाकिया है। उन्होंने सेट से झलकियां शेयर की हैं, जिनमें वे और रानी बात करते दिख रहे हैं। निर्देशक ने साथ में लिखा है, 'सबसे खूबसूरत, बेहद प्रतिभाशाली और हमारी इंडस्ट्री रानी 'चुगलखोर बहुरिया' के सेट पर। इस वीडियो में मैम मुझे चुगली कैसे करते हैं, वो सिखा रही हैं, ताकि मैं मोस्ट चुगलखोर बन सकूं'। इश्तियाक के पोस्ट पर रानी चटर्जी ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा है, 'वाह क्या तारीफ है और 'चुगलखोर बहुरिया' के लिए आप बेस्ट चॉइस हैं। आप से बेहतर कोई मुझसे चुगली नहीं करवा सकता था'। वीडियो में देखा जा सकता है कि सेट पर पूजा-पाठ के साथ शूटिंग शुरू की गई है। रानी चटर्जी पूजा करती नजर आई हैं। रानी चटर्जी की फिल्म 'प्रिया ब्यूटी पार्लर' की बात करें तो इसमें वे ब्यूटीशियन के किरदार में नजर आएंगी। वे एक ऐसी महिला के किरदार में हैं, जिसे मेकअप का शौक है। वह अपनी ननद और पूरे गांव की महिलाओं का मेकअप करती है। एक पार्लर खोलकर वे इसे अपना रोजगार बनाना चाहती है, मगर उसकी सास इसके सख्त खिलाफ है। हालांकि, हालात कुछ ऐसी करवट लेते हैं कि वह ब्यूटी पार्लर खोल पाती है।

बल्गेरियाई संस्कृति में यहां की पारम्परिक पोशाक खास मायने रखती है। उत्सवों के दौरान पहने जाने वाले कपड़े बल्गारियाई लोगों के लिए अपने पूर्वजों और उनके द्वारा छोड़ी गई विरासतों का सम्मान करने का एक तरीका है। इनमें लाल रंग जीवन और उर्वरता और रक्त और आग का प्रतीक है। माना जाता है कि लाल पोशाक पहनने वाले को बुरी आत्माओं और काले जादू से बचाती थी। यही कारण है कि बुल्गारिया के कुछ क्षेत्रों में दुल्हनें लाल घूंघट पहनती हैं।

महंगा ड्राई शैंपू खरीदने के बजाय इनका किया जा सकता है इस्तेमाल

बालों को फ्रेश और क्लीन बनाने के लिए अक्सर हम सभी शैम्पू से वॉश करना पसंद करते हैं। मार्केट में मिलने वाले ड्राई शैम्पू में कई तरह के केमिकल्स पाए जाते हैं, जो अक्सर बालों को लंबे समय में नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए बेबी पाउडर से लेकर कॉर्नस्टार्च तक, ऐसी कई चीजें हैं तो ड्राई शैम्पू का एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं। इनके बारे में आपको जानना जरूरी है।

बेबी पाउडर : बालों से अतिरिक्त ऑयल अब्जॉर्ब करने के लिए आप ड्राई शैम्पू की जगह बेबी पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस आप इन्हें रूट्स पर थोड़ा सा छिड़कें। इसे समान रूप से फैलाने के लिए अपनी उंगलियों या मेकअप ब्रश का उपयोग करें। इसे एक मिनट तक लगा रहने दें, फिर इसे अच्छी तरह से ब्रश करें। यह काले बालों पर सफ़ेद रंग छोड़ सकता है। ऐसे में अगर आपके बाल काले हैं, तो सफ़ेद रंग से बचने के लिए इसे थोड़े से कोको पाउडर के साथ मिलाएं।

कॉर्नस्टार्च : कॉर्नस्टार्च को भी ड्राई शैम्पू की जगह इस्तेमाल करना अच्छा विचार हो सकता है। इसे हर तरह के बालों पर आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है।

बस इसे अपनी स्कैल्प पर थोड़ी मात्रा छिड़कें। तेल को सोखने के लिए इसे धीरे से मसाज करें। आखिरी में ब्रश करके बालों को क्लीन करें। चूंकि, यह बहुत महीन है और बालों में अच्छी तरह से मिल जाता है। आप स्कैल्प को अतिरिक्त लाभ पहुंचाने के लिए लैवेंडर या टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं।

ब्लोटिंग पेपर या टिश्यू पेपर : अगर आपके पास पाउडर नहीं है या फिर स्कैल्प में हल्का ऑयल है और आप उसे आखिरी में टच अप देना चाहती हैं तो ऐसे में ब्लोटिंग पेपर या टिश्यू पेपर का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए आप स्कैल्प पर ब्लोटिंग शीट या टिश्यू पेपर रखें और दबाएं। इसे तब तक दोहराएं, जब तक कि बाल दोबारा फ्रेश ना दिखने लगे।

अरारोट पाउडर

अरारोट पाउडर कॉर्नस्टार्च की तुलना में अधिक बेहतर ऑप्शन है, क्योंकि यह उससे अधिक महीन होता है। खासतौर से, अगर आपकी सेंसेटिव स्कैल्प है तो ऐसे में आप अरारोट पाउडर का इस्तेमाल करने का मन बना सकते हैं। बस आप इसे रूट्स पर थोड़ी मात्रा में लगाएं। धीरे से मसाज करें और इसे कुछ मिनट तक लगा रहने दें। अतिरिक्त पाउडर को ब्रश से हटा दें। अगर आपके बाल काले हैं, तो बेहतर मिश्रण के लिए कोको पाउडर या दालचीनी के साथ मिलाएं।

आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देंगे फ्लोर लेंथ सूट, हर कोई होगा फिदा

फैशन

इंडियन लुक में साड़ी और सूट का फैशन कभी नहीं आउट होता है। बस इनके कलर और डिजाइन्स में बदलाव होता रहता है। ऐसे में हम अपने लुक को अपडेट करने के लिए फैशन ट्रेंड को फॉलो करते रहते हैं। वेडिंग के अलावा बाहर से ऐसे फंक्शन होते हैं। जहां हम इंडियन लुक को स्टाइल करना प्रेफर करते हैं। एथनिक लुक कैरी करने के बाद आपका लुक एकदम ट्रेडिशनल नजर आता है। ऐसे में अधिकतर लोग छोटे फंक्शन और फेस्टिवल के मौके पर सूट या साड़ी ही कैरी करते हैं।

यदि आपको भी इंडियन लुक पसंद आता है तो आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ फ्लोर लेंथ अनारकली सूट दिखाने जा रहे हैं। आजकल ऐसे सूट काफी ट्रेंड में भी चल रहे हैं। ऐसे सूट पारंपरिक और मॉडर्न टच का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हैं। जिनको पहनकर आपका रॉयल अंदाज देख हर कोई दीवाना हो जाएगा। यदि आपकी हाइट अच्छी है तो ऐसे में यह आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन है। आइए देखें इन सूट के डिफरेंट डिजाइन्स और कलर।

कंट्रास्ट कलर फ्लोर लेंथ सूट : श्रेया घोषाल ने लीफ ग्रीन कलर के सूट संग ब्लू कलर का पोल्का डॉट दुपट्टा पेयर अप किया है। ऐसे में ब्लू और ग्रीन कॉम्बिनेशन काफी ग्रेसफुल लुक दे रहा है। सूट के यॉक पर थ्रेड वर्क लुक को हैवी बना रहा है। फुल स्लीव्स का यह फ्लोर लेंथ सूट आपको हर फंक्शन में क्लासी लुक देगा। इसके साथ आप भी लो बन बनाकर साइड फ्लावर टक कर सकती हैं। साथ में फ्रंट फ्लिक्स बेस्ट रहेगी। मेकअप को आप मिनिमल लुक में रख सकती हैं। ऐसे सूट आपको ऑनलाइन आसानी से 1000 से 1500 तक की कीमत में मिल जाएंगे।

जॉर्जेट रेड सूट : यदि आपकी नई शादी हुई है तो आप इस तरह का जॉर्जेट प्लेन रेड फ्लोर लेंथ सूट ट्राई कर सकती हैं। इस सूट के बॉर्डर पर गोल्डन कलर के सिक्कों वाली लेस लगी हुई है। दुपट्टे को पिंक और रेड डबल शेड के साथ ऑर्गेंजा फैब्रिक में रखा गया है। ऐसे सूट डे और नाइट दोनों तरह के फंक्शन के लिए बेस्ट रहते हैं। इसके साथ आप कोई भी चोकर नेकलेस और मैचिंग इयररिंग्स सेट स्टाइल कर सकती हैं। हेयर स्टाइल को आप स्ट्रेट करके फ्रंट ट्विस्ट के साथ ओपन रखें।

गोटा वर्क सूट : यदि आपको कुछ डिफरेंट पहनना है तो उसके लिए गोटा वर्क सूट बेस्ट ऑप्शन है। ऐसे सूट पहनने पर लाइटवेट होते हैं, लेकिन इनका लुक हैवी नजर आता है। तस्वीर में नजर आ रहा बेज कलर सूट काफी खूबसूरत लुक देगा। इसके साथ आप सिल्वर ज्वेलरी से अपना लुक कंप्लीट कर सकती हैं। साथ में हेयर स्टाइल को कर्ल करके ओपन या हाफ टक कर सकती हैं।

वीगन मेकअप करना है पसंद तो खुद घर पर ही बनाएं लिपस्टिक

अगर आप अपनी खूबसूरती का ख्याल कुछ इस तरह रखना चाहती हैं कि उससे जानवरों को भी किसी तरह का नुकसान हो तो ऐसे में आप वीगन लिपस्टिक बनाने पर विचार करें। वीगन लिपस्टिक बनाना ना केवल काफी आसान है, बल्कि इसमें कई तरह के पोषक तत्व भी होते हैं, जो आपके होंठों को काफी लाभ पहुंचाते हैं। आरवीएमयूए एकेडमी की फाउंडर, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर एक्सपर्ट रिया वशिष्ट घर पर ही वीगन लिपस्टिक बनाने के आसान तरीकें सुझा रही हैं।

नारियल तेल और चुकंदर की मदद से बनाएं लिपस्टिक : अगर आप नेचुरल पिंक-रेड शेड लिपस्टिक बनाना चाहती हैं तो ऐसे में नारियल तेल और चुकंदर का इस्तेमाल करें। यह एक टिंटेड लिप बाम जैसी लिपस्टिक है, जिसे आप हर दिन भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

वीगन लिपस्टिक कैसे बनाएं-लिपस्टिक बनाने के लिए नारियल तेल और कैंडेलिला वैक्स को डबल बॉयलर में पिघलाएं। अब इसमें चुकंदर पाउडर या उसका रस डालकर अच्छी तरह मिलाएं।इसे आंच से उतारें और एक खाली लिप बाम कंटेनर में डालकर ठंडा होने दें।आपकी वीगन लिपस्टिक बनकर तैयार है।अब आप इसे हर दिन इस्तेमाल कर सकती हैं।

शिया बटर और हिबिस्कस की मदद से बनाएं लिपस्टिक

अगर आप अपने लिप्स को एक सॉफ्ट मैट फ्रीनिश लुक देना चाहती हैं तो ऐसे में शिया बटर और हिबिस्कस की मदद से लिपस्टिक बनाएं। यह एक लॉन्ग लास्टिंग लिपस्टिक है, जो आपको होंठों को लंबे समय तक खूबसूरत दिखाती है।

वीगन लिपस्टिक कैसे बनाएं- शिया बटर और कैंडेलिला वैक्स को डबल बॉयलर में पिघलाएं। कैस्टर ऑयल डालकर अच्छी तरह मिलाएं।हिबिस्कस पाउडर डालें और पूरी तरह से मिश्रित होने तक फेंटें।

पहली बार बालों को कलर कराने में हिचक छोड़ें, अपनाएं सावधानी

कई महिलाओं में कम उम्र में सफेद बालों की समस्या भी सामने आती है। अगर आप पहली बार अपने बालों को कलर करने जा रहे हैं, तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सही प्रक्रिया और सही देखभाल से आपके बाल खूबसूरत दिखेंगे और रंग लंबे समय तक टिका रहेगा।

सही शेड चुनें : अपनी स्किन टोन के अनुसार हेयर कलर चुनें। पहली बार कलर करने पर नेचुरल शेड्स (ब्राउन, चेस्टनट, हल्का महोगनी) को प्राथमिकता दें। बहुत ज्यादा ब्राइट या डार्क शेड्स से बचें, ताकि लुक नेचुरल लगे।

अमोनिया-फ्री हेयर कलर चुनें : अमोनिया युक्त हेयर कलर बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। अमोनिया-फ्री और हर्बल हेयर

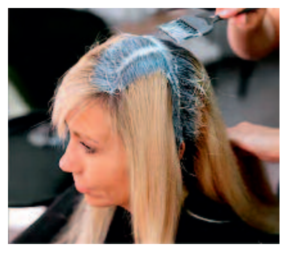

कलर का चुनाव बेहतर रहेगा, जिससे बालों की सेहत बनी रहे।

पैच टेस्ट जरूर करें : हेयर डाई लगाने से 24 घंटे पहले पैच टेस्ट करें। इससे एलर्जी, खुजली या जलन जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है।

बालों की सेहत का ध्यान रखें : कलर करने से पहले बालों को डीप कंडीशनिंग दें, ताकि वे मजबूत रहें।अगर आपके बाल रूखे या डैमेज्ड हैं, तो पहले उनका ट्रीटमेंट करें।

सही तकनीक अपनाएं : अगर खुद से कलर कर रहे हैं, तो पैकेट पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। ब्रश का उपयोग करें और कलर को समान रूप से अप्लाई करें।जड़ों से सिरों तक धीरे-धीरे कलर लगाएं।

कलर के बाद देखभाल बहुत जरूरी : सल्फेट-फ्री शैम्पू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें।कलर किए हुए बालों को अधिक गर्म पानी से धोने से बचें।धूप में जाने से पहले बालों को स्कार्फ या हैट से कवर करें।

इस बात का रखें ध्यान : पहली बार हेयर कलर करते समय सही शेड, अच्छे प्रोडक्ट्स और सही तकनीक का उपयोग करना बेहद महत्वपूर्ण है। बालों की सेहत को प्राथमिकता दें और पोस्ट-कलर केयर का खास ख्याल रखें, ताकि आपके बाल स्वस्थ और खूबसूरत बने रहें।

कार्नर न्यूज

आसानी से पा सकते हैं यंग और हेल्दी स्किन

नौजवानों के चेहरे पर नजर आ रही हैं झुर्रियां तो परेशान होने के बजाय अपनाएं कुछ जरूरी टिप्स

आजकल बहुत से लोगों में 30 की उम्र में ही चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती है। लेकिन यह केवल बढ़ती उम्र का असर नहीं होता, बल्कि कई अन्य कारण भी होते हैं जो त्वचा को जल्दी बूढ़ा बना सकते हैं। हालांकि, अगर कुछ सरल और प्रभावी उपाय अपनाए जाएं तो आप अपनी त्वचा को यंग और हेल्दी रख सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे तरीकों के बारे में जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को लंबी उम्र तक जवां और चमकदार बना सकते हैं।

सही डाइट का लेना बेहद जरूरी

आपकी त्वचा का स्वास्थ्य सीधे आपकी डाइट से जुड़ा होता है। यदि आप पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेते हैं, तो आपकी त्वचा भी स्वस्थ और जवां रहती है। ताजे फल और सब्जियां को हर दिन अपनी डाइट में शामिल करना जरूरी होता है। ताजे फल और सब्जियां विटामिन सी, ई और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होती हैं, जो त्वचा को नुकसान से बचाती हैं। उदाहरण के लिए, संतरा, अंगूर, पत्तेदार हरी सब्जियां, गाजर आदि।

ऐसे रखें त्वचा को हाइड्रेटेड

मछली, अखरोट, अलसी और चिया सीड्स भी चेहरे के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। ये त्वचा को हाइड्रेटेड रखते हैं और झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। यह त्वचा को तरोताजा बनाए रखता है और समय से पहले झुर्रियां आने से रोकता है। धूप में सीधे संपर्क से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचता है, जिससे समय से पहले झुर्रियां, डार्क स्पॉट्स और सनबर्न हो सकते हैं।

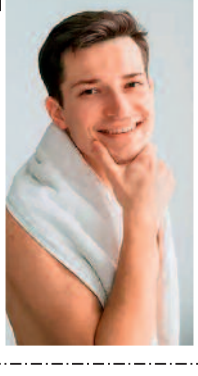

अच्छे मॉइस्चराइज़र का इस्तेमाल करें

अपनी त्वचा को हर दिन अच्छी तरह से साफ करें ताकि गंदगी और तेल हट सके। लेकिन क्लींजर ऐसा हो जो आपकी त्वचा को ड्राई न करे। त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए अच्छे मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे त्वचा की इलास्टिसिटी बनी रहती है और झुर्रियां कम होती हैं। विटामिन सी और रेटिनॉल वाले क्रीम्स और सीरम्स का इस्तेमाल करें।

प्राकृतिक चीजों से भी पहुंचता है फायदा

हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं और दूध त्वचा को मुलायम बनाए रखता है। आप हल्दी और दूध का पेस्ट बना कर अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। एलोवेरा त्वचा को ठंडक और हाइड्रेशन देता है। यह झुर्रियों को भी कम करता है। आप ताजे एलोवेरा जेल को सीधे चेहरे पर लगा सकते हैं।